नई दिल्ली ■ शुक्रवार 19 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 261 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी विरोधी हिंसा | 07 श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत | पति पुलकित सम्राट को घर पर प्यार से 'अन्नपूर्णा' बुलाती है कृति खरबंदा 08

भारत सरकार प्रवासियों के कल्याण को प्रतिबद्धः मोदी

मस्कट (ओमान)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विविधता को भारतीय संस्कृति की नींव बताते हुए गुरुवार को कहा कि यह एक ऐसा मूल्य जो उन्हें किसी भी समाज में घुलमिल जाने में मदद करता है। ओमान में भारतीय समुदाय के प्रति सम्मान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सह-अस्तित्व और सहयोग भारतीय प्रवासी समुदाय की पहचान रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों के कल्याण के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी और जहां भी हमारे लोगों को मदद की जरूरत होती है, सरकार उनका हाथ थामने के लिए तत्पर रहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच मांडवी से लेकर मस्कट तक सदियों पुराने संबंध हैं और प्रवासी समुदाय कड़ी मेहनत और एकजुटता के माध्यम से इसे पोषित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने समुदाय के कल्याण के लिए सुल्तान हैथम बिन तारिक के समर्थन के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने आज मस्कट (ओमान) में भारतीय समुदाय की विशाल सभा को संबोधित किया। श्रोताओं में विभिन्न भारतीय स्कूलों के 700 से अधिक छात्र शामिल थे। ओमान में भारतीय स्कूलों के लिए यह वर्ष विशेष महत्व रखता है। यह देश में उनकी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत केवल बाजार नहीं बल्कि वस्तुओं और सेवाओं से लेकर डिजिटल समाधानों तक, दुनिया के लिए एक आदर्श है। उन्होंने पुष्टि की कि भारत-ओमान साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहयोग, डिजिटल शिक्षा, नवाचार साझेदारी और उद्यमिता आदान-प्रदान के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार हो रही है।

उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, गहन ज्ञान प्राप्त करने और साहसिक नवाचार करने का आह्वान किया ताकि वे मानवता के लिए सार्थक योगदान दे सकें। प्रधानमंत्री ने भारत की परिवर्तनकारी वृद्धि, परिवर्तन की गति और व्यापकता तथा पिछली तिमाही में 8 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि से परिलक्षित अर्थव्यवस्था की मजबूती के बारे में बात की। उन्होंने पिछले 11 वर्षों में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में अवसंरचना विकास, विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, हरित विकास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व स्तरीय नवाचार, स्टार्टअप और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करके 21वीं सदी के लिए खुद को तैयार कर रहा है। भारत की यूपीआई (जो वैश्विक स्तर पर किए गए सभी डिजिटल भुगतानों का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा है) गर्व और उपलब्धि का विषय है। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की हालिया उत्कृष्ट उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिनमें चंद्रमा पर उतरना और गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन की योजना शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष भारत और ओमान के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और छात्रों को इसरो के युवा कार्यक्रम 'युविका' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित

नई दिल्ली। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने भारत-ओमान संबंधों में उनके असाधारण योगदान और उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'ऑर्डर ऑफ ओमान' पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री ने यह सम्मान दोनों देशों की पुरानी दोस्ती को समर्पित किया। सुल्तान कबूस बिन सईद ने 1970 में इसे स्थापित किया था। ऑर्डर ऑफ ओमान कुछ चुनिंदा वैश्विक नेताओं को सार्वजनिक जीवन और द्विपक्षीय संबंधों में उनके योगदान की पहचान के रूप में दिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर इसे भारत और ओमान के बीच स्थायी दोस्ती की पुष्टि बताया। उन्होंने सम्मान दिए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने यह सम्मान भारत और ओमान के बीच पुरानी दोस्ती को समर्पित किया। उन्होंने इसे भारत के 1.4 अरब लोगों और ओमान के लोगों के बीच गर्मजोशी और स्नेह को दर्शाने वाला बताया।

भारत-ओमान के बीच व्यापार समझौता, सुल्तान हैथम के साथ पीएम ने की बैठक

मस्कट। भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर किए जाने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ द्विपक्षीय बातचीत में दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की। द्विपक्षीय वार्ता के पहले प्रधानमंत्री मोदी का अल बरका पैलेस में सुल्तान हैथम ने स्वागत किया। मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में बुधवार को ओमान पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-ओमान रणनीतिक साझेदारी को अधिक मजबूत और व्यापक बनाने के तरीकों पर विचार किया। दोनों नेताओं ने भारत और ओमान के बीच कूटनीतिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने को द्विपक्षीय साझेदारी के लिए एक अहम उपलब्धि बताया। जायसवाल ने कहा, ₹दोनों नेताओं ने रक्षा, सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा, कृषि, प्रौद्योगिकी, नवीन एवं उभरते क्षेत्र, संस्कृति और लोगों के बीच संपर्क सहित कई विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा की।₹ उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर करार दिया। सीईपीए पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के वाणिज्य, उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने हस्ताक्षर किए। यह व्यापार समझौता बाजार तक पहुंच बढ़ाने, निवेश को प्रोत्साहित करने और प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने में सहायक होगा। इसके जरिये वैश्विक आर्थिक पुनर्निर्धारण के दौर में व्यापार विविधीकरण और आपूर्ति शृंखला की मजबूती को समर्थन मिलने की उम्मीद है। यह ओमान का किसी देश के साथ संपन्न हुआ दूसरा एफटीए है। वहीं पिछले 20 वर्षों में ओमान ने पहली बार किसी देश के साथ यह समझौता किया है। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और ओमान के बीच सीईपीए द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा और विश्वास देगा। वह सुल्तान हैथम के निमंत्रण पर ओमान की यात्रा पर पहुंचे हैं। यह इस खाड़ी देश की उनकी दूसरी यात्रा है और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ होने से विशेष महत्व रखती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एफटीए पर हस्ताक्षर को दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी में 'नया अध्याय' बताते हुए कहा कि यह द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

21वीं सदी का भारत बड़े व त्वरित निर्णय लेता है : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 21वीं सदी का भारत बड़े और त्वरित फैसले लेता है, बड़े लक्ष्य तय करके आगे बढ़ता है और समयबद्ध तरीके से परिणाम देता है। दो दिवसीय ओमान यात्रा पर आए मोदी ने यहां भारतीय छात्रों और समुदाय के सदस्यों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। छात्रों और भारतीय समुदाय के सदस्यों ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया और उत्साहपूर्वक नारे लगाते हुए तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया। मोदी ने अपने संबोधन के दौरान वहां उपस्थित लोगों को 'लघु-भारत' की संज्ञा दी, जिसके बाद उपस्थित लोगों ने 'मोदी, मोदी, मोदी' के नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने इस अवसर पर भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों की उपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा, आज हम सब एक परिवार की तरह एकत्र हुए हैं। आज हम अपने देश और टीम इंडिया का उत्सव मना रहे हैं। भारत में, हमारी विविधता हमारी संस्कृति की मजबूत नींव है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी रेखांकित किया कि सह-अस्तित्व और सहयोग₹ भारतीय प्रवासी समुदाय की पहचान रहे है। भारत के परिवर्तनकारी विकास, इसकी प्रगति, परिवर्तन के पैमाने, और अर्थव्यवस्था की ताकत का जिक्र करते हुए मोदी ने पिछली तिमाही में आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की राह पर दृढ़ता से बढ़ रहा है, और यह तब हुआ जब पूरी दुनिया चुनौतियों से जूझ रही थी। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का भारत बड़े और त्वरित फैसले लेता है, बड़े लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ता है और तय समयसीमा के भीतर परिणाम देता है।

संक्षिप्त खबरें

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार राम सुतार का 100 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के अनुपम शिल्पकार राम सुतार का बुधवार देररात दिल्ली-एनसीआर के नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। 100 वर्षीय सुतार उम्रजनित समस्याओं से जूझ रहे थे। उनकी कालजयी कृति सरदार वल्लभभाई पटेल की विशाल प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी गुजरात में स्थापित की गई है। शिल्पकार सुतार के पुत्र अनिल ने मीडिया के साथ साझा किए एक संदेश में कहा कि अत्यंत दुख के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि मेरे पिता श्री राम वनजी सुतार का 17 दिसंबर की मध्यरात्रि को हमारे निवास पर निधन हो गया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के गोलापल्ली क्षेत्र के जंगलों में आज सुबह से नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार एक महिला नक्सली सहित तीन नक्सली मारे गए हैं, जबकि कई अन्य के घायल होने की भी आशंका है। सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने मुठभेड़ और तीन नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। सुकमा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार मारे गए नक्सली किस्टाराम एरिया कमेटी के सदस्य है, जिनमें माड़वी जोगा उर्फ मुन्ना उर्फ जगत-एसीएम ,सोढ़ी बंडी-एसीएम तथा महिला नक्सली नुप्पो बजनी-एसीएम शामिल हैं । पुलिस सूत्रों के अनुसार सुरक्षा बलों की डीआर की टीम ने जंगल को घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से रुक-रुककर गोलीबारी हो रही है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन अभी जारी है और क्षेत्र में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में बीएसएफ के जवान ने की आत्महत्या

नारायणपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के माओवादी हिंसा प्रभावित नारायणपुर जिले में नक्सल मोर्चे पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जवान सोनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत होरादी स्थित बीएसएफकैंप में पदस्थ था। नारायणपुर एसपी रॉबिंसन गुड़िया ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है, इस मामले में जांच की जा रही है। मृतक जवान का नाम सचिन कुमार है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी था। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर किसी साजिश या बाहरी कारण की पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मुंबई-नागपुर में बॉम्बे उच्च न्यायालय, स्थानीय अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

मुंबई। बॉम्बे उच्च न्यायालय, कुछ स्थानीय अदालतों और दक्षिण मुंबई में स्थित दो प्रमुख बैंकों को बृहस्पतिवार को ईमेल के जरिए बम की धमकियां मिलीं। लेकिन, इन संस्थानों में तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और ये धमकियां झूठी निकलीं।

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नागपुर की एक अदालत को भी इसी तरह की बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला था, जो फर्जी निकला। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बॉम्बे उच्च न्यायालय, सत्र अदालत, दक्षिण मुंबई के मझगांव और एस्प्लेनेड अदालत, बांद्रा और अंधेरी में स्थित दो मजिस्ट्रेट अदालत और दो प्रमुख बैंकों को सुबह बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए। इनमें से अधिकांश स्थानों को तुरंत खाली करा लिया गया। बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) बुलाया गया, लेकिन तलाशी में कहीं भी कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बॉम्बे उच्च न्यायालय के दो बार एसोसिएशनों द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण, उच्च न्यायालय के कर्मचारियों को तलाशी अभियान के लिए तुरंत परिसर से बाहर जाने के लिए कहा गया था।

बॉम्बे बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नितिन ठक्कर ने कहा कि धमकी और तलाशी अभियान के कारण अदालती कार्यवाही लगभग एक घंटे तक बाधित रही। सभी अदालती कमरों की गहन तलाशी ली गई और सुनवाई दोपहर तीन बजे फिर से शुरू हुई। अंधेरी में हुई घटना के बारे में वकील अली काशिफ खान ने कहा कि वह महानगर मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई के लिए आए थे। उन्होंने कहा कि लेकिन मजिस्ट्रेट ने अचानक बिना कोई कारण बताए सभी मामलों में सुनवाई स्थगित करना शुरू कर दिया।

वीबी– जी राम जी विधेयक लोकसभा से पारित

नई दिल्ली। विकसित भारत – गॉरंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक-2025 यानी विकसित भारत–जी राम जी विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पारित हो गया। इससे पहले विधेयक पर लंबी चर्चा हुई। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष को जमकर कठघरे में खड़ा किया।

उन्होंने कहा कि मनरेगा को मोदी सरकार ने बहुत अच्छे से चलाया, जबकि कांग्रेस सरकार ने तो इसके नाम पर केवल ढोंग किया और 2009 के चुनाव के समय चुनावी लाभ लेने के लिए महात्मा गांधी का नाम नरेगा में जोड़ा था। चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने तो आपातकाल लगाकर और देश में भ्रष्टाचार व घोटाले करके बापू के आदर्शों की हत्या की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मजदूरों को पर्याप्त रोजगार नहीं दिया था, जबकि मोदी सरकार ने इसके लिए 1.51 लाख करोड़ रुपये का बजट रखा है। उन्होंने कहा कि इस सदन में रात डेढ़ बजे तक, हमने सदस्यों के विचार सुने, अब जवाब देना मेरा अधिकार है, अपनी बात सुना देना, फिर जवाब ना सुनना, ये लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार करना है, संविधान की धज्जियां उड़ाना है। ये बापू के आदर्शों की हत्या भी कर रहे हैं।

शिवराज सिंह ने कहा कि बापू हमारी श्रद्धा हैं, आदर्श हैं, प्रेरणा हैं, विश्वास हैं, इसलिए भाजपा ने अपनी पंचनिष्ठा में गांधी जी के सामाजिक, आर्थिक दर्शन को स्थान दिया। हम गांधीजी के आदर्शों पर चलने वाले लोग हैं, गांधीजी ने कहा था- गांव भारत की आत्मा है, अगर गांव मर जाएंगे तो भारत मर जाएगा। अपना हिंदुस्तान हमारे गांवों में बसा है, यह बिल गांवों के विकास का बिल है। चौहान ने कहा कि विधेयक पर चर्चा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी व्यर्थ में घसीटा गया। संघ व्यक्ति निर्माण में विश्वास करता है- देशभक्त, चरित्रवान, ईमानदार, परिश्रमी व्यक्ति। शिवराज सिंह ने कहा कि संघ के विचार कभी भी सीमित और संकीर्ण नहीं रहे। व्यक्तिगत हितों से ऊपर उसके लाखों कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के पवित्र काम में लगे हैं।

सरसंघचालक मोहन भागवत के विचार पढ़ लीजिए, हिंदू तो संकीर्ण नहीं है। प्रतिपक्ष के भेदभाव के आरोप पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि सारा देश हमारे लिए एक है, चेन्नई हो या गुवाहाटी, अपना देश- अपनी माटीः अलग भाषा-अलग वेश, फिर भी अपना एक देश।

ये देश हमारे लिए जमीन का टुकड़ा नहीं है, जीता-जागता राष्ट्रपुरूष है, कश्मीर इसका मस्तिष्क है, हिमालय इसकी शिखा है, पंजाब और बंगाल इसके दो विशाल बाहु हैं, दिल्ली दिल है, विंध्याचल कटी है, नर्मदा करधनी है, पूर्वी घाट व पश्चिमी घाट इसकी दो विशाल जंघाए हैं, कन्याकुमारी इसके पंजे हैं, सागर इसके चरण पखारता है। उन्होंने कहा कि नरेगा का नाम पहले महात्मा गांधी के नाम पर नहीं रखा गया, जब 2009 के चुनाव आए तो चुनाव और वोट के कारण बापू याद आए, महात्मा गांधी याद आए और तब उस पर जोड़ा गया महात्मा गांधी जी का नाम, लेकिन इस मनरेगा को भी अगर ताकत के साथ किसी ने ठीक ढंग से लागू किया, वह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लागू किया। शिवराज सिंह ने आंकड़ों सहित बताया कि कांग्रेस ने 153 लाख काम पूरे किए, हमने 862 लाख काम पूरे किए, ये मोदी की गारंटी है।

प्रदूषण पर सख्ती के असर की सरकार ने की निगरानी

नियमों का उल्लंघन करने वालों के काटे चालान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कदमों की आज व्यापक स्तर पर निगरानी की गई। सरकार का कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण को लेकर जारी आदेशों का प्रभावी पालन कराया गया और विभिन्न विभागों ने आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभाई। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संयुक्त रूप से सघन प्रवर्तन अभियान चलाया गया और प्रदूषण फैलाने वालों का चालान किया गया।

दिल्ली सरकार के निर्देशों के चलते राजधानी की सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में वाहनों की संख्या कम देखी गई।

एक महत्वपूर्ण संकेत यह भी सामने आया कि बड़ी संख्या में वाहन चालक स्वयं ही प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) बनवाते नजर आए, जिसे सरकार ने जन-जागरूकता की दिशा में सकारात्मक संकेत बताया। दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएयूएम) के आदेशों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। आयोग के निर्देशों के तहत राजधानी में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का चौथा चरण यानी ग्रेप-4 लागू है। इसी के तहत सघन जांच अभियान चलाए गए और नियमों के उल्लंघन पर चालान की कार्रवाई की गई।

इस संबंध में दिल्ली परिवहन विभाग व दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार इस विशेष अभियान के लिए कुल 210 प्रवर्तन टीमें तैनात की गईं। अभियान के दौरान बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के चल रहे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा 2,743 चालान काटे गए।

लालकिला विस्फोट मामला

नौवें गिरफ्तार आरोपी को 26 दिसंबर तक एनआईए की हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को लालकिला विस्फोट मामले में गिरफ्तार नौवें व्यक्ति यासिर अहमद डार को 26 दिसंबर तक राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया। विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने एनआईए की वह याचिका स्वीकार कर ली जिसमें आरोपी से हिरासत में पूछताछ का अनुरोध किया गया था। इससे पहले दिन में, एनआईए ने डार को गिरफ्तार किया, जो जम्मू कश्मीर का निवासी है और आत्मघाती हमलावर उमर-उन-नबी का कथित रूप से करीबी सहयोगी है। एनआईए के अनुसार, डार ने 10 नवंबर को हुए विस्फोट की साजिश में सक्रिय भूमिका निभाई थी जिसमें 15 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। एजेंसी के अनुसार, साजिश में सक्रिय रूप से शामिल रहे डार ने कथित रूप से आत्मघाती अभियानों को अंजाम देने का संकल्प लिया था। एजेंसी ने कहा कि डार मामले के अन्य आरोपियों के साथ निकट संपर्क में था, जिनमें उमर-उन-नबी और मुफ्ती इरफान शामिल हैं।

नोएडा में शीतलहर के बीच डीएम ने रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्ध नगर में शीत लहर से निराश्रितों एवं असहायों को बचाने के लिए रैन बसेरों में मिलने वाली सुविधाओं का जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बीती रात बुधवार को औचक निरीक्षण किया। वह सामुदायिक केंद्र सेक्टर डेल्टा-2 एवं परी चौक स्थित रैन बसेरों में पहुंची और व्यवस्थाओं को देखा।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने रैन बसेरों में ठहरे लोगों से संवाद कर व्यवस्था एवं सुरक्षा सहित सभी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि शीत लहर के दौरान कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए।

सभी के लिए चारपाई या तखत पर ही गद्दे बिछाने की व्यवस्था की जाए तथा चादरें एवं कंबल साफ रहें। उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि रैन बसेरों में ठहरे प्रत्येक व्यक्ति को बिस्तर, कंबल, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश उपलब्धता की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रैन बसेरों एवं आसपास की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए, ताकि शीत ऋतु के दौरान किसी भी व्यक्ति को असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित, स्वच्छ एवं सम्मानजनक आश्रय मिल सके। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, तहसीलदार सदर प्रतीक चौहान, नायब तहसीलदार सदर ज्योत्सना सहित प्राधिकरण के अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा: पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ सेक्टर-59 मामूरा मंडी के दुकानदारों का प्रदर्शन

नोएडा। पुलिस उत्पीड़न से परेशान नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्कल संख्या-5 वेंडिंग जोन संख्या-11, सेक्टर-59 नोएडा मामूरा मंडी के दुकानदारों ने पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन के बैनर तले वेंडिंग जोन कार्यस्थल पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान दुकानदारों ने चेतावनी दी कि पुलिस द्वारा उनका उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो थाना सेक्टर-58 पर प्रदर्शन किया जायेगा। सेक्टर-59 मामूरा मंडी में धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन के महामंत्री व सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा घोषित उक्त वेंडिंग जोन में थाना सेक्टर-58 के अंतर्गत पुलिस चौकी सेक्टर-61 प्रभारी व पुलिस कर्मी पिछले कुछ दिनों से अनुचित लाभ के लिए वेंडर्स पर दबाव बनाने के लिए 9 बजे से पहले ही जबरन दुकानें बंद करवा देते हैं जिसके कारण वेंडर्स का आर्थिक नुकसान हो रहा है तथा सब्जी वगैरह जो बच जाती है वह खराब हो जा रही है। उन्होंने बताया कि उक्त वेंडिंग जेन औद्योगिक क्षेत्र के बीच में है। यहां पर जो ग्राहक आते हैं वे 9 बजे उद्योगों से छुट्टी होने के बाद खरीदारी करते हैं। इतना ही नहीं पुलिस वाले वेंडर्स की बैटरी आदि सामान उठा कर ले जाते हैं। विरोध करने पर वेंडर्स को अपशब्दों का प्रयोग कर डराया जाता है, इसकी शिकायत वेंडर्स ने हमारी यूनियन से किया है। उन्होंने कहा कि शहर के सरे बाजार रात्रि 11 बजे तक खुले रहते हैं तो सेक्टर-59 नोएडा के उक्त बाजार को 9 बजे से पहले क्यों बंद कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत पुलिस कमिश्नर व उच्च अधिकारियों से की जाएगी। वैसे भी प्राधिकरण द्वारा घोषित वेंडिंग जोन में पुलिस के हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं है अगर उत्पीड़न की कार्रवाई बंद नहीं हुई तो थाना सेक्टर-58 पर शीघ्र ही विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाएगा। इस दौरान सीटू महासचिव राम स्वारथ सहित भारी संख्या में दुकानदार व श्रमिक मौजूद रहें।

नोएडा: कोचिंग सेंटर में पढ़ाने वाली युवती से बदसलूकी करने वाला कैब चालक गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 68 स्थित कोचिंग सेंटर से गाजियाबाद स्थित घर जाने के लिए कैब मे सवार होकर निकली युवती के साथ कैब चालक द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के मामले में पुलिस ने आज सुबह को कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। युवती ने कैब से कूदकर अपनी जान और इज्जत बचाई थी। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय कुमार गौतम ने बताया कि सेक्टर 68 एक कोचिंग सेंटर में पढाने वाली एक युवती गाजियाबाद की रहने वाली है। वह रात के समय कोचिंग सेंटर से अपने घर जाने के लिए कैब में सवार होकर निकली थी। कैब चालक ने अचानक से रास्ता बदल दिया। जब युवती ने विरोध किया तो उसने युवती के साथ बदसलूकी की। जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपी ने युवती का फोन छिनने का प्रयास किया। उनके अनुसार युवती चलती कार से कूद

गई। उन्होंने बताया कि बुधवार को युवती के भाई ने थाना फेस -3 में मुकदमा दर्ज करवाया था। उन्होंने बताया कि आज सुबह पुलिस ने कैब चालक सौरव कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

बिजली के खंभे से टकराई मोपेड, एक व्यक्ति की मौत

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के रोजा जलालपुर गांव के पास एक व्यक्ति शराब के नशे में धुत्त होकर वाहन चलाते हुए बिजली के खंभे से टकरा गया। उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जीवनलाल उम्र 36 वर्ष मूल निवासी लखीमपुर खीरी मौजूदा समय में रोजा जलालपुर गांव में रहते थे। वह बीती रात को अपनी मोपेड पर सवार होकर जा रहे थे तभी रोज गोल चक्कर के पास उनकी मोपेड बिजली के खंभे से टकरा गई। उन्होंने बताया कि उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि शराब के नशे में मोपेड पर सवार होकर वह जा रहे थे।

यूपी सरकार के दावे से इतर नोएडा में बंद हुई 492 औद्योगिक इकाइयां

नोएडा। एक तरफ जहां पर उत्तर प्रदेश सरकार यह दावा कर रही है कि उत्तर प्रदेश में देश-विदेश से जमकर निवेश हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। नोएडा में लगातार औद्योगिक कंपनियां बंद हो रही हैं। शासन ने जांच कराई तो सामने आया कि नोएडा में 492 औद्योगिक कंपनियां बंद हो चुकी हैं या अब क्रियाशील नहीं हैं। इस मामले में उत्तर प्रदेश शासन ने नोएडा प्राधिकरण से जबाव मांगा है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि वह अपने स्तर से जांच कराएगे। खास बात यह है कि बीते समय में प्राधिकरण के अधिकारी कंपनियों के बंद नहीं होने का दावा करते आ रहे थे। शहर के अलग-अलग हिस्सों में करीब 11 हजार औद्योगिक प्लॉट नोएडा प्राधिकरण की तरफ से आवंटित किए गए हैं। ये भूखंड फेज वन, टू, तीन, हौजरी कॉम्प्लेक्स, एनएसईजेड

समेत अन्य स्थान पर हैं। बीते सालों में जो औद्योगिक इकाइयां नोएडा में खुली थीं, वह धीरे-धीरे बंद होती जा रही हैं। कुछ महीने पहले शासन स्तर से नियुक्त एक एजेंसी ने नोएडा को लेकर जांच की। जांच में सामने आया कि यहां पर 492 औद्योगिक कंपनियां बंद हो चुकी हैं। एजेंसी के कर्मचारियों को मौके पर संबंधित इकाइयां संचालित होती नहीं मिलीं। शासन ने इस रिपोर्ट से नोएडा प्राधिकरण को अवगत कराते जुए जबाव मांगा है। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों की एक बैठक हुई। बैठक में शासन की तरफ से कराए गए निरीक्षण की रिपोर्ट रखकर औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों से जबाव मांगा। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल ने बताया कि शासन स्तर की तरफ से कराई गई जांच में 492 औद्योगिक इकाइयां क्रियाशील नहीं मिली हैं। अब इनका दोबारा से निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार कराई जाएगी।

सड़क हादसे में मंदिर के पुजारी की मौत

नोएडा। थाना सूरजपुर क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में एक पुजारी की मौत हो गई है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात को घनश्याम शुक्ला पुत्र रामलाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मेरे साढू कुलदीप मिश्रा मोटरसाइकिल पर सवार होकर साइड चार स्थित शक्ति मंदिर में पूजा करवाने के लिए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि जैसे ही पीड़ित के साढू ईंटा-वन सेक्टर के गेट नंबर- पांच पर पहुंचे वहां पर एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि गंभीर हालत में कुलदीप मिश्रा को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर बीती रात को उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित के अनुसार उनके साढू मूल रूप से जनपद बांदा के रहने वाले थे। वह मंदिर में पुजारी का काम करते थे।

नोएडा अथॉरिटी की बड़ी कार्रवाई, दो बिल्डरों के खिलाफ ईओडब्ल्यू जांच की संस्तुति

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने बकाया राशि जमा न करने वाले बिल्डरों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने दो प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) को जांच के लिए पत्र भेजा है। यह कार्रवाई लंबे समय से बकाया भुगतान न करने और बार-बार नोटिस के बावजूद अनदेखी करने के चलते की गई है। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-50 स्थित मैसर्स टीजीबी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और सेक्टर-143 स्थित मैसर्स किण्डल इन्फ्राहाइट्स लिमिटेड पर नोएडा अथॉरिटी का भारी भरकम बकाया है।

मैसर्स टीजीबी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड पर करीब 75 करोड़ 96 लाख रुपए का भुगतान लंबित है, जबकि मैसर्स किण्डल इन्फ्राहाइट्स लिमिटेड पर लगभग 396 करोड़ 36 लाख रुपए की देनदारी है। नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों के मुताबिक, दोनों बिल्डरों को बकाया भुगतान के लिए कई बार नोटिस जारी किए गए।

इसके बावजूद न तो पूरी राशि जमा की गई और न ही संतोषजनक जवाब दिया गया। लगातार नियमों की अनदेखी और प्राधिकरण के निर्देशों का पालन न करने के चलते अब मामले को आर्थिक अपराध शाखा के हवाले किया गया है, ताकि वित्तीय अनियमितताओं की गहन जांच की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि बकाया राशि समय पर जमा न होने से प्राधिकरण की विकास योजनाएं प्रभावित होती हैं। सड़कों, सीवरेज, जल आपूर्ति, पार्क और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास में यह धन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में बड़े बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी हो जाती है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब नोएडा अथॉरिटी ने इस तरह की कार्रवाई की हो। इससे पहले भी प्राधिकरण ने 7 अन्य बिल्डरों के खिलाफ दिल्ली स्थित ईओडब्ल्यू को पत्र लिखकर जांच की सिफारिश की थी। प्राधिकरण का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने और सरकारी बकाया दबाकर बैठने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

नोएडा अथॉरिटी ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि आगे भी यदि कोई बिल्डर बकाया भुगतान नहीं करता है, तो उसके खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह कदम न सिर्फ राजस्व की वसूली के लिए अहम माना जा रहा है, बल्कि इससे रियल एस्टेट सेक्टर में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद भी जताई जा रही है।

रिटायर्ड बुजुर्ग अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर अपराधियों ने 12 लाख रुपए ठगा

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-78 स्थित एक सोसायटी में रहने वाले रिटायर्ड अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट करके साइबर अपराधियों ने उनसे 12 लाख रुपए की ठगी कर ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है। अपर पुलिस उपयुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि रामसेवक तोमर नामक शख्स ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-78 स्थित द हाइट पार्क सोसायटी में रहते हैं। उनके अनुसार वह भारत सरकार से सेवानिवृत एक वरिष्ठ नागरिक हैं। उनकी पत्नी का पूर्व में देहांत हो चुका है। पीड़ति के अनुसार वह अपने घर पर अकेले रहते हैं। उनके बच्चे घर से बाहर रहकर नौकरी कर रहे हैं। अपर उपायुक्त ने बताया कि पीड़ति के अनुसार 29 नवंबर को उनके मोबाइल फोन पर एक वीडियो कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को प्रदीप सावंत इन्वेस्टिगेशन ऑफीसर क्राइम ब्रांच हेडक्वार्टर दिल्ली बताया। उसने कहा कि आपकी आईडी आधार कार्ड का प्रयोग करके केनरा बैंक दिल्ली में अकाउंट खोला गया है, जिससे डेबिट कार्ड हासिल किया गया है। उस खाते का प्रयोग नरेश अग्रवाल मनी लांड्रिंग केस में किया गया है। जिसमें उसकी भूमिका पाई गई है। पीड़ति के अनुसार तथाकथित अधिकारी ने उनके फोन को एक सीनियर ऑफिसर से कनेक्ट कर दिया, जिसने अपना नाम विजय कुमार खन्ना बताया। वह पुलिस यूनिफॉर्म पहने हुए था। पीड़ति के अनुसार कथित पुलिस अधिकारी ने कहा कि आपको मनी लांड्रिंग के केस में अपनी लिखित अपील भेजनी है। आप यह लिख कर दे दो कि आपका कार्ड चोरी हो गया था। मैं इसमें शामिल नहीं हूं। पीड़ति के अनुसार उन्होंने कथित अधिकारी के निर्देशानुसार ऐसा ही किया। उन्होंने बताया कि इसी बीच आरोपियों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया तथा कहा कि 1 दिसंबर को सीबीआई कोर्ट में आपको बयान दर्ज कराने होंगे। पीड़ति के अनुसार 1 दिसंबर को उनके पास वीडियो कॉल आई, जिसमें एक व्यक्ति सामने जज की वेशभूषा में बैठा हुआ था। पीड़ति के अनुसार उक्त जज ने उसके ऊपर लगाए गए आरोप का अन्यायपूर्ण ढंग से फैसला सुनाया और कहा कि जो भी फंड उनके पास है, उसे एक सुपरविजन अकाउंट में जमा कर दें। पीड़ति के अनुसार इसके बाद तथाकथित पुलिस अधिकारी ने उससे कहा कि आप तुरंत 2 लाख रुपए एक अकाउंट में जमा कर दें। पीड़ति डर गए तथा उन्होंने उक्त अधिकारी के कहे अनुसार दो लाख रुपया अकाउंट में जमा कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ति के अनुसार थोड़ी देर बाद उसे 10 लाख रुपये दूसरे अकाउंट में जमा करने के लिए कहा गया। पीड़ति ने वह रकम भी जमा कर दी। उनके अनुसार 6 दिसंबर को उनके पास फिर फोन आया तथा आरोपियों ने उनसे कहा कि आप अपना म्युचुअल फंड आदि तोड़कर सारी रकम एक खाते में जमा कर दो।

चार माह में नोएडा में मिली 24 हजार लोगों को नौकरी

नोएडा। नोएडा में चार माह में 24 हजार से अधिक युवाओं को नौकरी मिली है। जबकी दोबारा नौकरी प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या 98,211 है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में इन लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। पहली बार नौकरी प्राप्त करने वाले युवाओं को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 15 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

ईपीएफओ के अनुसार, यह योजना एक अगस्त 2025 से लागू है और इसका लाभ एक अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच सृजित नौकरियों पर मिलेगा। इसका लक्ष्य देश में दो वर्ष में 3.5 करोड़ से ज्यादा रोजगार पैदा करना है और यह युवाओं को पहली नौकरी पर 15,000 और कंपनियों को 3,000 प्रोत्साहन राशि देगी। भविष्य निधि आयुक्त प्रथम सुयश पांडे ने आज बताय कि इस साल एक अगस्त से नोएडा में 817 कंपनियों में 24358 लोगों ने पहली बार नौकरी प्राप्त की है। वहीं, दोबारा नौकरी जॉइन करने वाले लोगों की संख्या 98211 है। उन्होंने कहा कि इस संख्या में अभी और इजाफा होगा।

इस योजना के तहत रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए नए युवाओं को दो किस्तों में 15 हजार रुपये तक और कंपनियों को प्रति नए कर्मचारी तीन हजार रुपये प्रति माह तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। एक लाख रुपये तक के मासिक वेतन वाले कर्मचारियों को ही इस योजना का लाभ मिल सकेगा। इसका उद्देश्य इस वर्ष पहली अगस्त से विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान देते हुए, सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देना है। कंपनियां www.pmvbry.epfindia.gov.in या www.pmvbry.labour.gov.in पर जाकर एकमुश्त रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसमें मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र पर खास ध्यान दिया गया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अनुसार पहली किस्त छह महीने की सेवा पूरी करने के बाद मिलेगी।

वहीं दूसरी किस्त 12 महीने की सेवा और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम पूरा करने के बाद। यह राशि आधार-लिंक्ड सीधे लाभ हस्तांतरण द्वारा बैंक खाते में मिलेगी। फेस टू स्थित एक गारमेंट कंपनी में हाल ही में नियुक्त हुए रवि ने कहा कि नौकरी और प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के 15 हजार रुपये मिलने से काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस राशि को वे एफडी के तौर पर फिक्स कर देंगे, सेक्टर-58 स्थित एक फैक्ट्री में नियुक्त विष्णु ने कहा कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 15 हजार रुपये भले ही दो किस्तों में मिलेंगे, लेकिन यह काफी मददगार होंगे। इस तरह की योजनाएं नौकरी में एक तरह की स्फूर्ति का काम करती हैं।

शेयर मार्केट फ्रॉड मामले में 35 करोड़ की धोखाधड़ी करने वाला साइबर ठग गिरफ्तार

नोएडा। शेयर मार्केट में निवेश कर दुगुना लाभ कमाने के नाम पर पूरे देश में लगभग 35 करोड रूपए से ज्यादा की धोखाधड़ी व ठगी करने वाले चाइनीज साइबर ठगों से जुड़े 1 अभियुक्त को आज थाना साइबर क्राइम नोएडा पुलिस ने रोहतक हरियाणा से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के 4 अन्य साथियों को हैदराबाद और मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि थाना साइबर क्राइम पुलिस द्वारा एक वादी को शेयर मार्केट में निवेश कर लाभ कमाने के नाम पर पूरे देश में लगभग 35 करोड रूपए से ज्यादा की ठगी करने वाले चाइनीज साइबर ठगों से जुड़े अभियुक्त सुधाकर गर्ग पुत्र ईश्वर सिंह गर्ग को रोहतक हरियाणा से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि एक वादी द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर बीते दिनों धारा 318(4), 319(2) बीएनएस व 66डी आईटी एक्ट में पंजीकृत किया गया था, जिसमें साइबर अपराधी द्वारा वादी को शेयर मार्केट मे इन्वेस्टमेंट कर लाभ कमाने के नाम पर 12 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गयी। उन्होंने बताया कि विवेचना मे

त्वरित कार्यवाही करते हुए धोखाधड़ी में लिप्त संदिग्ध बैंक खातों को तत्काल फ्रीज कराया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में शामिल 2 सह अभियुक्त को मुंबई पुलिस तथा 2 सहअभियुक्त को हैदराबाद पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अभियुक्त/खाताधारक सुधाकर गर्ग ने पूछताछ में बताया कि उसकी पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से संदिग्ध व्यक्ति राशिद खान उर्फ लकी से हुई थी। राशिद खान उर्फ लकी द्वारा उसे जीएसटी फर्म एवं करंट बैंक खाते खुलवाने के लिए बताया गया, जिसके उपरांत खाताधारक को मुंबई बुलाया गया। राशिद खान उर्फ लकी अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर खुलवाए गए विभिन्न बैंक खातों में साइबर फ्रॉड से प्राप्त धनराशि ट्रांसफर कराता था। धोखाधड़ी में प्रयुक्त बैंक खातों में आई धनराशि के एवज में अभियुक्तों द्वारा 7 से 10 प्रतिशत राशि नकद प्राप्त की जाती थी, जबकि खाताधारक को 1 से 3 प्रतिशत के अनुपात में लाभ दिया जाता था।

उन्होंने बताया कि जांच में यह भी तथ्य सामने आया है कि अभियुक्त लगभग एक वर्ष से साइबर अपराधों में संलिप्त है तथा उसके कुल 5 बैंक खातों का उपयोग अपराध में किया गया है। एनसीआरपी पोर्टल पर अब तक इन बैंक खातों के विरुद्ध देश के विभिन्न राज्यों से कुल 37 शिकायतें दर्ज पाई गई हैं। उन्होंने बताया कि घटना में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली: कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त

अलाव जलाकर बचाव कर रहे लोग

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में पिछले कई दिनों से ठंड में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। घने कोहरे और ठंड से बचने के लिए लोग सड़कों और चौराहों पर अलाव तापते नजर आए। दिल्ली, ग्रेटर नोएडा, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी सहित कई जिलों में सुबह से ही कोहरा देखने को मिल रहा है। कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई है। दृश्यता कम होने से चालकों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा; वाहन रेंगते हुए दिखाई दे रहे हैं। मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण ठंड में भी इजाफा महसूस किया गया। अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को सर्दी का तीखा अहसास हुआ। शहर में रैन बसेरे बनने की कवायद शुरू हो गई है। ग्रेटर नोएडा में रैन बसेरा इन दिनों कड़ाके की ठंड के बीच गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए राहत का केंद्र बना हुआ है। यहां ठंड से प्रभावित लोगों को आश्रय के साथ-साथ जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। व्यवस्थाओं को परखने के लिए आला अधिकारी रैन बसेरे का निरीक्षण कर हालात का जायजा ले रहे हैं। ग्रेटर नोएडा के एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, "रैन बसेरा में सुविधाएं बहुत अच्छी हैं। हमें आराम करने के लिए कंबल, तकिए और बिस्तर दिए हैं। सब कुछ साफ और अच्छी तरह से व्यवस्थित है और कोई बड़ी समस्या नहीं है। यहां की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। रात में एसडीएम भी आए थे। हमें कोई समस्या नहीं हुई, सब कुछ ठीक है। कुल मिलाकर व्यवस्थाएं बहुत बढ़िया हैं।" उन्होंने बताया कि रैन बसेरे में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग और सुरक्षित ठहरने की व्यवस्था बनाई गई है। इससे महिलाओं और बुजुर्गों को सुरक्षित माहौल मिल रहा है। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देश दिया कि रैन बसेरे में गर्म पानी की सुविधा नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाए। दिल्ली के एक स्थानीय ने बताया कि भारी प्रदूषण के कारण आंखों में लगातार जलन हो रही है। सुबह के समय, विजिबिलिटी धुंधली होती है और खांसी के साथ गंदगी और बलगम निकलता है। हमें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और आना-जाना बहुत मुश्किल हो गया है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों और बुजुर्गों सहित सभी पर महसूस किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने हाईवे और मुख्य मार्गों पर वाहन चालकों से सावधानी बरतने की अपील की है। कोहरे में फॉग लाइट का प्रयोग करने और धीमी गति से वाहन चलाने की सलाह दी गई है।

दिल्ली में 20 दिसंबर तक धुंध, घना कोहरा छाए रहने के आसार

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली-एनसीआर में 18-20 दिसंबर तक धुंध तथा घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी दी है। इस दौरान वाहन चालकों को एहतियात बरतने की सलाह दी गयी है। आईएमडी ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी दिशा से 20 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवाओं ने आसमान को साफ रखा। आने वाले दिनों में दिल्ली का न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहने के आसार हैं। फिलहाल, कड़ाके की 'शीत लहर' जैसी स्थिति दिल्ली में नहीं होगी। दिल्ली के आसपास के राज्यों- उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में 18-20 दिसंबर के दौरान ' घना कोहरा' छाए रहने की चेतावनी दी गयी है। इसका असर दिल्ली आने वाली ट्रेनों और उड़ानों पर पड़ने का अनुमान है। अगले दो दिनों तक पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी दिशा से ठंडी हवाएं भी चलने के आसार हैं। इस दौरान मौसम विभाग के अधिकारियों ने घर से बाहर निकलने वालों और वाहन चालकों को एहतियात बरतने की सलाह दी है। मौसम अधिकारियों ने पहाड़ों पर हो रही हलचल और मैदानी इलाकों में चलने वाली बर्फीली हवाओं के कारण कई राज्यों में 'शीत लहर' की चेतावनी दी है। इससे जनजीवन प्रभावित होना शुरू हो गया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में 18-21 दिसंबर के दौरान घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रहेगी। हिमाचल प्रदेश, बिहार, झारखंड और ओडिशा में भी 20 दिसंबर तक घने कोहरे की स्थिति बने रहने का अनुमान है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत में 22 दिसंबर तक इसका असर बने रहने के आसार हैं।मैदानी इलाकों में पारा लुढ़कने के कारण पिछले 24 घंटों में राजस्थान का नागौर न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे ये राज्य देश का सबसे ठंडा मैदानी इलाका रहा। 18-19 दिसंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में तीव्र शीत लहर चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में 18-19 दिसंबर को घने कोहरे के कारण अधिक ठंड की स्थिति बनी रहने की चेतावनी दी है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है। हालांकि, 20 दिसंबर के बाद उत्तर-पश्चिम भारत के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की मामूली वृद्धि होने के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 20-21 दिसंबर को बर्फबारी और बारिश के आसार हैं। पंजाब के कुछ हिस्सों में 20-21 दिसंबर को हल्की बूंदाबांदी होने की चेतावनी दी गयी है।मौसम अधिकारियों ने बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन क्षेत्र में खराब मौसम के कारण 20 दिसंबर तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है। अंडमान और निकोबार में 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। अगले 48 घंटे तक मध्य प्रदेश और उत्तराखंड शीत लहर की चपेट में रहने के आसार हैं। वहीं, तमिलनाडु के कुड्डालोर और रामनाथपुरम में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश दर्ज की गई है।

संक्षिप्त खबरें

अवैध निर्माण के खिलाफ याचिकाएं दायर करने वाले याचिकाकर्ता पर अदालत ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में संपत्तियों के अवैध निर्माण के खिलाफ कई याचिकाएं दायर करने और फिर उनपर आगे नहीं बढ़ने के लिए एक याचिकाकर्ता पर बृहस्पतिवार को 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा आरके पुरम क्षेत्र में अवैध निर्माण के संबंध में एक ही याचिकाकर्ता द्वारा दायर पांचवीं रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थीं। अदालत ने इस दौरान याचिकाकर्ता पर पचास हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता लगातार याचिकाएं दायर कर रहा है, लेकिन बाद में उनपर आगे नहीं बढ़ता है। अदालत ने दो दिसंबर के आदेश में कहा, "यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता एक के बाद एक याचिका दायर करता है और उसने संबंधित क्षेत्र में स्थित विभिन्न संपत्तियों के खिलाफ कई याचिकाएं दायर की हैं। याचिकाकर्ता याचिकाएं दायर करने के बाद उनपर आगे नहीं बढ़ता।" पूर्व के निर्णयों का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि वह कई बार स्पष्ट कर चुकी है कि कोई भी व्यक्ति 'गलत इरादे' से याचिकाएं दायर करके अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग नहीं कर सकता।

बोतलबंद पानी की गुणवत्ता से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बोतलबंद पानी से जुड़े मानकों को लेकर दायर याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए इसे लक्जरी लिटिगेशन बताया। न्यायालय ने कहा कि देश के बड़े हिस्से आज भी मूलभूत पेयजल की उपलब्धता के लिए संघर्षरत हैं और ऐसे में बोतलबंद पानी के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर बहस प्राथमिक मुद्दा नहीं हो सकती। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ सारंग वामन यादवाडकर की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें भारत में बोतलबंद पानी के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाने से संबंधित दिशा-निर्देश मांगे गए थे। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने याचिका की मूल भावना पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश में पीने का पानी ही कहां है? लोगों के पास पीने का पानी नहीं है, बोतलबंद पानी की गुणवत्ता बाद में देखी जाएगी। उन्होंने कहा कि गरीबों के मुद्दों को कोई नहीं उठाता, सिर्फ ऐसे मुद्दे उठाए जाते हैं जो संपन्न वर्ग से जुड़े हैं। न्यायालय ने कहा कि जमीनी हकीकत को समझिए। हम अमेरिका के मानक नहीं जारी कर सकते।

पुलिस ने उपभोग की अवधि समाप्ति वाले खाद्य उत्पादों की बिक्री में लिप्त गिरोह का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली। पुलिस ने प्रतिष्ठित 'ब्रांड' के कालातीत और फर्जी लेबल वाले खाद्य उत्पादों की बिक्री में शामिल एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए इसके कथित सरगना को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि छापेमारी के दौरान लाखों रुपये की चॉकलेट सहित बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अतुल जालान (55) के रूप में हुई है जो त्रि नगर निवासी व्यवसायी है। पुलिस ने कहा कि वह बिचौलियों के माध्यम से कम कीमत पर मुंबई से प्रतिष्ठित ब्रांड के ऐसे उत्पाद कथित तौर पर खरीदता था जिनकी उपभोग अवधि समाप्त हो चुकी होती थी या समाप्त होने वाली होती थी। पुलिस ने कहा कि इसके बाद उसने उपभोग तिथि, उत्पादन विवरण, एमआरपी और बैच संख्या में बदलाव कर इन उत्पादों को ग्राहकों को आकर्षक प्रस्ताव व छूट देते हुए ऑनलाइन व दुकानों के माध्यम बेच दिया। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा दायर शिकायत पर की गई, जिसके बाद भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध शाखा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

डीटीसी बेड़े में सौ ई बसें शामिल, धौला कुआं से धारूहेड़ा तक अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली परिवहन विभाग (डीटीसी) के बेड़े में 100 नई ई बसें शामिल करने के साथ-साथ धौला कुआं से हरियाणा के धारूहेड़ा तक अंतरराज्यीय ई बस सेवा की शुरुआत की। इस मौके पर परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कश्मीरी गेट अंतरराष्ट्रीय बस अड्डे पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारी सरकार लगातार दीर्घकालिक और प्रभावी समाधान लागू कर रही है। इसी कड़ी में आज डीटीसी के बेड़े में 100 नई ई बसें शामिल की गई हैं। अगले साल तक डीटीसी की सभी बसें इलेक्ट्रिक करने का लक्ष्य है, ताकि दिल्ली का पब्लिक ट्रांसपोर्ट पूरी तरह उत्सर्जन से मुक्त बन सके। इसी सोच के साथ दिल्ली सरकार लगातार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने धौला कुआं से धारूहेड़ा तक बस सेवा की शुरुआत करते हुए कहा कि कई वर्षों से बंद पड़ी अतंरराज्यीय बस सेवा को हमारी सरकार ने फिर से शुरू किया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से लैस ये बसें न केवल प्रदूषण कम करेंगी, बल्कि रोजाना दिल्ली एनसीआर आने-जाने वाले लोगों का सफर सुरक्षित और आरामदायक भी होगा। डीटीसी धौला कुआं से धारूहेड़ा बस रूट पर प्रत्येक शिफ्ट में तीन इलेक्ट्रिक बसों का संचालन करेगा।

धौला कुआं से धारूहेड़ा के लिए रोजाना यह बसें सुबह के 06:30 बजे, 07:00 बजे, 07:30 बजे के साथ दोपहर के 2.45 बजे, 3.15 बजे और 3 बजकर 45 मिनट पर चलेंगी। धारूहेड़ा (हरियाणा) से धौला कुआं (दिल्ली) के लिए बसें सुबह 09:45 बजे, 10:15 बजे, 10:45 बजे के साथ शाम 18:00 बजे, 18:30 बजे और 19:00 बजे संचालित होंगी, जिससे पीक आवर और नॉन-पीक आवर दोनों समय में यात्रियों को सस्ती और सुगम बस सुविधा मिलेगी। यह नया बस रूट धौला कुआं, एचआर राजोकरी बॉर्डर, गुरुग्राम, खेड़की दौला, रामपुरा, मानेसर, पंचगांव, व्यासपुर वाईएनआर, सिधरावली और धारूहेड़ा जैसे प्रमुख स्थानों से होकर गुजरेगा। नई ई-बस सेवा से धारूहेड़ा, मानेसर और गुरुग्राम के आसपास रहने वाले और ऑफिस आने जाने वाले कर्मचारियों, छात्रों और औद्योगिक श्रमिकों को विशेष रूप से लाभ मिलेगा साथ ही धौला कुआं के जरिए राजधानी दिल्ली से भी निर्बाध बस कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।

सिरसा ने दिल्ली के कई पेट्रोल पंपों का किया निरीक्षण, बोले- बिना पीयूसीसी नहीं मिलेगा ईंधन

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आज से बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) वाले वाहनों को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं मिलेगा। इसी को सुनिश्चित करने के लिए आज मंत्री सिरसा ने दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर, जनपथ समेत विभिन्न स्थानों के पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से बातचीत की और पेट्रोल पंप पर कार्यरत कर्मचारियों और संचालकों से भी व्यवस्था को लेकर चर्चा की। सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठा रही है। नियमों का कड़ाई से पालन करवाने के लिए संबंधित एजेंसियों की संयुक्त टीमें तैनात की हुई हैं। उन्होंने प्रदूषण के विरुद्ध इस महाअभियान में अपना सहयोग देने का दिल्लीवासियों से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर आपका पीयूसीसी सर्टिफिकेट नहीं बना है, तो उसे तुरंत बनवाएं। हम सबके छोटे-छोटे प्रयास ही दिल्ली को एक स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य देंगे। सिरसा ने कहा कि पीयूसीसी अनुपालन को लेकर पेट्रोल पंपों पर सख्त अभियान चलाया जा रहा है। नियमों की कड़ाई से जांच हो रही है और उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की सख्त कार्रवाई, नियम उल्लंघन करने वालों को ईंधन आपूर्ति पर रोक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर बीएस-6 मानक वाले निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध के साथ 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम लागू होने के कारण दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बृहस्पतिवार को अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम के तहत जिन वाहनों के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं है, उन्हें पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पेट्रोल पंपों पर ईंधन भरने की अनुमति देने से पहले ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को वाहनों के पीयूसी प्रमाणपत्रों की व्यक्तिगत रूप से जांच करते देखा गया। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ₹शहर में प्रवेश के प्रमुख बिंदुओं पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कई टीमें तैनात की गई हैं ताकि नियमों का पालन न करने वाले वाहनों को रोका जा सके और प्रतिबंधों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दिल्ली भर में विभिन्न स्थानों पर 100 से अधिक टीमें तैनात की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराज्यीय सीमाओं सहित 126 चौकियों पर 580 से अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। इस अभियान में सहयोग के लिए परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों को भी पेट्रोल पंपों और प्रवेश बिंदुओं पर तैनात किया गया है, जबकि नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारी वाहन की कतारों के प्रबंधन तथा जांच करने में सहायता कर रहे हैं। पेट्रोल पंप वैध पीयूसी प्रमाणपत्र के बिना वाहनों को ईंधन नहीं दे रहे हैं और इसे स्वचालित 'नंबर प्लेट रीडर कैमरे', पंपों पर 'वॉयस अलर्ट' और पुलिस की मदद से लागू किया जा रहा है। पुलिस की यह कार्रवाई दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए लागू किए गए 'ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' (ग्रैप) प्रतिबंधों के कार्यान्वयन का हिस्सा है। इन प्रतिबंधों के तहत, बीएस-6 मानकों से नीचे के गैर-दिल्ली निजी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है, जबकि सीएनजी (संपीडित प्राकृतिक गैस) या बिजली से चलने वाले वाहन, सार्वजनिक परिवहन एवं आवश्यक वस्तुओं का परिवहन करने वाले या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले वाहनों को छूट दी गई है। निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों को भी ग्रैप के चौथे चरण के प्रतिबंधों के तहत शहर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।

दिल्ली में ऑनलाइन बाल यौन शोषण पर सख्त कार्रवाई, 52 एफआईआर दर्ज

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसईएएम) के खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर वूमेन एंड चिल्ड्रन (एसपीयूडब्ल्यूएसी) ने बड़ी कार्रवाई की है। नानकपुरा स्थित एसपीयूडब्ल्यूएसी की एनसीएमईसी सेल द्वारा साइबर टिपलाइन के माध्यम से प्राप्त मामलों में अब तक कुल 52 एफआईआर दर्ज की गई हैं। एसपीयूडब्ल्यूएसी दिल्ली राज्य की नामित नोडल इकाई के रूप में, नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन (एनसीएमईसी) से प्राप्त साइबर टिपलाइन रिपोर्ट (सीटीआर) पर कार्रवाई करती है। ये रिपोर्ट इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C/14C) और नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के माध्यम से प्राप्त होती हैं।एसपीयूडब्ल्यूएसी डीसीपी अंजिता चेप्यला के अनुसार विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सीएसईएएम साझा करने में शामिल आरोपियों के खिलाफ दिल्ली के अलग-अलग जिलों में 45 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके अलावा दिसंबर 2025 में 7 अतिरिक्त एफआईआर भी दर्ज की गईं, जो कि रीपीट ऑफेंडर्स से जुड़ी हैं। इनमें गूगल सप्लीमेंटल फाइल्स के रूप में प्राप्त मामलों को भी शामिल किया गया है। सभी मामलों में आगे की जांच जारी है और आरोपियों के खिलाफ कानूनी व तकनीकी स्तर पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। यूनिट I4C और एनसीएमईसी के साथ समन्वय बनाकर ऑनलाइन बाल शोषण के मामलों पर लगातार नजर रखे हुए है। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होने वाले किसी भी प्रकार के शोषण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली: नकली दवाओं और फर्जी कॉस्मेटिक्स का रैकेट भंडाफोड़, अवैध फैक्ट्री से भारी मात्रा में सामान बरामद

नई दिल्ली(जनभावना टाइम्स)। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की साइबर सेल टिम ने नकली दवाओं और फर्जी कॉस्मेटिक उत्पादों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को दबोचा। पुलिस ने अवैध रूप से स्प्यूरियस दवाएं और नकली कॉस्मेटिक उत्पाद तैयार कर सप्लाई करने वाले एक संगठित रैकेट का पर्दाफाश करते हुए एक अवैध मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में कच्चा माल, तैयार उत्पाद और मशीनरी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्रीराम और गौरव भगत के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी श्रीराम ने खुलासा किया कि प्रमोद कुमार गुप्ता नामक व्यक्ति नकली Betnovate-C ऑइंटमेंट की सप्लाई कर रहा था और एक अवैध मैन्युफैक्चरिंग यूनिट भी चला रहा था। पुलिस ने प्रमोद कुमार गुप्ता की लोकेशन ट्रेस की, जो सूरत से दिल्ली की ओर ट्रेन से आ रहा था। सूचना पुख्ता होने पर इंस्पेक्टर मनजीत कुमार के नेतृत्व में टीम ने मथुरा के पास ट्रेन में चढ़कर उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी हरियाणा के गुरुग्राम का रहने वाला है।क्राइम ब्रांच डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया किआरोपी की निशानदेही पर दिल्ली के बिजवासन गांव स्थित एक फार्महाउस में छापेमारी की गई, जहां वह किराए पर अवैध मैन्युफैक्चरिंग यूनिट चला रहा था। मौके पर ड्रग इंस्पेक्टर की मौजूदगी में जांच की गई और सैंपल लिए गए। छापे के दौरान बड़ी मात्रा में कच्चा माल, तैयार नकली कॉस्मेटिक क्रीम, पैकिंग सामग्री और दवाइयों की पैकिंग व मैन्युफैक्चरिंग मशीनें बरामद की गईं।छापेमारी के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (HUL) के प्रतिनिधि को भी बुलाया गया। जांच के बाद कंपनी के प्रतिनिधि ने साफ तौर पर पुष्टि की कि बरामद फेयर एंड लवली और वीट क्रीम पूरी तरह नकली हैं और इनका निर्माण HUL द्वारा नहीं किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि अपने एक साथी की गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने करीब 25 कार्टन, जिनमें लगभग 27 हजार नकली Betnovate-C ट्यूब थीं, जला दी थीं। इसके बाद वह यूनिट बंद कर दूसरे राज्य फरार हो गया था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी पहले भी कॉपीराइट एक्ट के एक मामले में संलिप्त रह चुका है।पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की जांच कर रही है, ताकि कच्चे माल के स्रोत और सप्लाई चेन से जुड़े अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जा सके। यह पूरी कार्रवाई इंस्पेक्टर मनजीत कुमार के नेतृत्व में की गई, जिसमें एएसआई कंवरपाल, हेड कांस्टेबल विपिन, सोहनपाल, राजेश, अनुज और कांस्टेबल सचिन शामिल थे। अभियान एसीपी अनिल शर्मा की निगरानी और डीसीपी क्राइम ब्रांच आदित्य गौतम के मार्गदर्शन में चलाया गया।

संपादकीय

आगे जाने की सड़कें

हिमाचल की दो सड़कों पर उतरा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आशीष सिर्फ चंद सिक्के नहीं-सकारात्मक परिवहन के लिए बड़ी आशा है। केंद्र ने प्रदेश की दो सड़कों को सशक्त करने के लिए कुल 186.09 करोड़ उपलब्ध कराए हैं। इनमें से मंडी-गागल-चैलचौक-जंजैहली मार्ग के चौड़ा करण को 137.4 करोड़ और जैजों मोड-टाहलीवाल सडक़ को अपग्रेड करने के लिए 48 करोड़ दिए हैं। हर सडक़ एक हस्ती है और सड़कों की बदलती क्षमता में आगे बढने का आश्वासन पूरा आर्थिक परिदृश्य बदल सकता है। ऐसे में ऊना की औद्योगिक व अंतरराज्यीय परिवहन में जैजों तक पहुंची सड़क में सुधार, आशा की ताली बजाएगा। इसी तरह मंडी से जंजैहली सडक़ का चौड़ाकरण मात्र परिवहन नहीं, बल्कि सैलानियों को सुविधा तथा फलोत्पादक क्षेत्र को आश्वासन दे रहा है। हिमाचल में प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ परियोजनाओं की सफलता चिन्हित करती ग्रामीण आर्थिकी ने कई आयाम छुए हैं। पर्यटन की होम स्टे योजना की सफलता का सबसे बड़ा कारण प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना के तहत विकसित हुई सडकें हैं। ग्रामीण पर्यटन की तासीर में उभरा नया हिमाचल, कृषि, बागबानी और सैलानी को आकर्षित कर रहा है। जाहिर है हिमाचल के फलक पर आ रहे बदलाव की कहानी सडक़ों की स्थिति और प्रगति पर निर्भर करती है। धूमल सरकार ने सड़कों को तरजीह देते हुए हिमाचल में परिवहन के प्रमुख डेस्टिनेशन चिन्हित किए थे। कुमारहट्टी से नाहन का रास्ता जब सशक्त हुआ, तो उत्तराखंड से राजधानी शिमला तक का सफर अपनी परिभाषा को सरल और सुविधाजनक बनाने लगा। हमीरपुर से ऊना को जोड़ती सुपर हाई-वे या घुमारवीं से मंडी व हमीरपुर के रास्ते बदल गए। इसी तरह द्रमण ने चुवाड़ी या कुपवी से शिलाई तक के परिदृश्य बदल गए। दरअसल सड़क परिवहन में हिमाचल की महत्त्वकांक्षा ने चारों तरफ दबाव बढ़ा दिए हैं। सडक़ें अब नई दिशाएं जोड़ रही हैं। झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल के प्रयासों से गोविंद सागर झील पर बागछाल जैसे पुलों के निर्माण से हमीरपुर और कांगड़ा का संपर्क चंडीगढ़-दिल्ली की राहों को आसान बना देगा। हमने काफी पहले कहा था कि हमीरपुर के केंद्र में अगर सड़क परियोजनाओं का मिलन हो, तो हिमाचल की मंजिलें आसान हो जाएंगी। इसी परिप्रेक्ष्य में फोरलेन परियोजनाओं का विस्तार, ऐसे सर्वेक्षणों के तहत होना चाहिए, ताकि इनके जरिए व्यापारिक, पर्यटन व परिवहन के सारे छोर एक साथ मिलें। पठानकोट-मंडी, मटौर-शिमला, कीरतपुर-मनाली और परवाणू-शिमला फोरलेन परियोजनाओं के साथ-साथ विभिन्न शहरों, धार्मिक स्थलों, पर्यटक केंद्रों व व्यापारिक बाजारों को जोड़ते हुए नए मार्ग कम से कम टू लेन होने चाहिएं।

ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी विरोधी हिंसा

यहूदी विरोधी हिंसा के उभार को समझने के लिए सबसे पहले वैश्विक भू-राजनीतिक संदर्भ पर ध्यान देना आवश्यक है। इज़राइल-ग़ाज़ा संघर्ष जैसे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रह गए हैं। डिजिटल मीडिया और वैश्विक सूचना प्रवाह के कारण इनका प्रभाव दूरस्थ समाजों तक तत्काल पहुँचता है। ऑस्ट्रेलिया में भी इस संघर्ष ने भावनात्मक ध्रुवीकरण को जन्म दिया है, जहाँ विदेश नीति या सैन्य कार्रवाइयों की आलोचना कई बार यहूदी समुदाय के सामूहिक दोषारोपण में बदल जाती है। राजनीतिक असहमति और धार्मिक-जातीय पहचान के बीच की यह रेखा धुंधली पड़ना यहूदी विरोधी हिंसा को वैचारिक वैधता प्रदान करता है। इसके साथ ही चरमपंथी विचारधाराओं का विस्तार एक गंभीर कारक बनकर उभरा है। दक्षिणपंथी अतिवाद, श्वेत वर्चस्ववादी सोच और कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क लंबे समय से यहूदियों को षड्यंत्र सिद्धांतों से जोड़ते रहे हैं। डिजिटल युग में इन विचारों का प्रसार तेज़ और व्यापक हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और ऑनलाइन फ़ोरम ऐसे 'इको-चैम्बर्स' बनाते हैं।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

ऑस्ट्रेलिया को लंबे समय तक ऐसे बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र के रूप में देखा गया है, जहाँ विविध धार्मिक, नस्ल और सांस्कृतिक समुदायों ने अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का अनुभव किया। यहूदी समुदाय भी इस सामाजिक संरचना का सशक्त और सम्मानित हिस्सा रहा है। किंतु हाल के वर्षों में, विशेषकर साल 2023 के बाद यहूदी संस्थानों, सभास्थलों और व्यक्तियों के विरुद्ध लक्षित हिंसा की घटनाओं में वृद्धि ने इस धारणा को गंभीर चुनौती दी है। आगजनी, नफ़रत, धमकियाँ और हमलों की घटनाएँ केवल आपराधिक कृत्य नहीं हैं बल्कि वे ऑस्ट्रेलियाई समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण, असहिष्णुता और असुरक्षा की गहरी परतों को उजागर करती हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यहूदी विरोधी हिंसा क्यों बढ़ रही है और शासन व्यवस्था आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नागरिक स्वतंत्रता का संतुलन कैसे बनाए।

यहूदी विरोधी हिंसा के उभार को समझने के लिए सबसे पहले वैश्विक भू-राजनीतिक संदर्भ पर ध्यान देना आवश्यक है। इज़राइल-ग़ाज़ा संघर्ष जैसे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रह गए हैं। डिजिटल मीडिया और वैश्विक सूचना प्रवाह के कारण इनका प्रभाव दूरस्थ समाजों तक तत्काल पहुँचता है। ऑस्ट्रेलिया में भी इस संघर्ष ने भावनात्मक ध्रुवीकरण को जन्म दिया है, जहाँ विदेश नीति या सैन्य कार्रवाइयों की आलोचना कई बार यहूदी समुदाय के सामूहिक दोषारोपण में बदल जाती है। राजनीतिक असहमति और धार्मिक-जातीय पहचान के बीच की यह रेखा धुंधली पड़ना यहूदी विरोधी हिंसा को वैचारिक वैधता प्रदान करता है। इसके साथ ही चरमपंथी विचारधाराओं का विस्तार एक गंभीर कारक बनकर उभरा है। दक्षिणपंथी अतिवाद, श्वेत वर्चस्ववादी सोच और कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क लंबे समय से यहूदियों को षड्यंत्र सिद्धांतों से जोड़ते रहे हैं। डिजिटल युग में इन विचारों का प्रसार तेज़ और व्यापक हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और ऑनलाइन फ़ोरम ऐसे 'इको-चैम्बर्स' बनाते हैं, जहाँ नफ़रत को सामान्य व्यवहार की तरह प्रस्तुत किया जाता है। जब व्यक्ति लगातार एक ही प्रकार की भड़काऊ सामग्री देखता है तो हिंसा धीरे-धीरे वैध और आवश्यक प्रतिक्रिया के रूप में चित्रित होने लगती है। दुष्प्रचार और साजिश की कथाएँ भी यहूदी विरोधी हिंसा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐतिहासिक रूप से यहूदियों को आर्थिक संकटों, महामारी और राजनीतिक अस्थिरता के लिए दोषी ठहराने की प्रवृत्ति रही है। आधुनिक समय में यही प्रवृत्ति सोशल मीडिया के माध्यम से नए रूप में सामने आती है। कोविड-19 महामारी, वैश्विक आर्थिक मंदी या अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से जुड़ी जटिलताओं को यहूदी समुदाय से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। बार-बार दोहराए जाने पर ये झूठे आख्यान सामाजिक चेतना में स्थान बना लेते हैं और हिंसा के लिए मानसिक आधार तैयार करते हैं। आंतरिक सुरक्षा ढांचे की कुछ संरचनात्मक कमजोरियाँ भी इस समस्या को गहराती हैं। हाल की घटनाओं ने यह सवाल उठाया है कि हथियार लाइसेंसिंग प्रणाली, मानसिक स्वास्थ्य आकलन और खुफिया निगरानी कितनी प्रभावी है। यदि संभावित हिंसक प्रवृत्तियों के संकेत समय रहते पहचान में न आएँ तो तथाकथित 'लोन वुल्फ' हमले गंभीर नुकसान पहुँचा सकते हैं। यह केवल पुलिस की विफलता नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था को चुनौती है, जहाँ जोखिमों का पूर्वानुमान और समय पर हस्तक्षेप अत्यंत आवश्यक होता है। इन परिस्थितियों में शासन के सामने आंतरिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। लोकतांत्रिक समाज में सुरक्षा का अर्थ केवल कठोर कानून और निगरानी नहीं हो सकता। राज्य की पहली जिम्मेदारी कानून के शासन को बनाए रखना है, जिसमें घृणा अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई शामिल है। यहूदी विरोधी हिंसा के मामलों में सख़्त अभियोजन और दंड का स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि समाज में नफ़रत और हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। साथ ही, पीड़ितों को न्याय और सहायता उपलब्ध कराना विश्वास बहाली के लिए अनिवार्य है।

खुफिया तंत्र का समन्वय आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ है। संघीय और राज्य स्तर की एजेंसियों के बीच सूचना साझा करने में देरी या असंगति संभावित खतरों को अनदेखा कर सकती है। ऑनलाइन कट्टरपंथ की निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण और समय रहते हस्तक्षेप- ये सभी उपाय आवश्यक हैं। किंतु यह निगरानी लक्षित और अनुपातिक होनी चाहिए। अंधाधुंध निगरानी न केवल नागरिकों की गोपनीयता का उल्लंघन करती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी पैदा कर सकती है। डिजिटल स्पेस का शासन आज आंतरिक सुरक्षा का अनिवार्य घटक बन चुका है। ऑनलाइन घृणा से भाषण और दुष्प्रचार को नियंत्रित किए बिना यहूदी विरोधी हिंसा पर अंकुश लगाना कठिन है। इसके लिए प्लेटफ़ॉर्म जवाबदेही, पारदर्शी नियम और त्वरित कार्रवाई तंत्र आवश्यक हैं। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वैध राजनीतिक असहमति और शांतिपूर्ण विरोध को दबाया न जाए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल है और सुरक्षा उपायों को इसे कमजोर नहीं करना चाहिए। आंतरिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण किंतु अक्सर उपेक्षित पक्ष सामुदायिक सहभागिता है। यहूदी समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ विश्वास आधारित संवाद सुरक्षा प्रयासों को अधिक प्रभावी बनाता है। जब समुदाय स्वयं को राज्य का साझीदार महसूस करता है तो वह संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने और कट्टरपंथी प्रभावों का प्रतिरोध करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। सामुदायिक नेताओं की भागीदारी, शिकायत निवारण तंत्र और पीड़ित सहायता सेवाएँ सामाजिक एकजुटता को मजबूत करती हैं।

शिक्षा और सार्वजनिक विमर्श दीर्घकालिक समाधान की कुंजी हैं। यहूदी विरोधी हिंसा की जड़ें केवल वर्तमान राजनीतिक घटनाओं में नहीं बल्कि ऐतिहासिक पूर्वाग्रहों में भी निहित हैं। होलोकॉस्ट शिक्षा, बहुसांस्कृतिक पाठ्यक्रम और अंतर-धार्मिक संवाद नफ़रत के विरुद्ध सामाजिक प्रतिरक्षा विकसित कर सकते हैं। मीडिया की भूमिका भी निर्णायक है। जिम्मेदार रिपोर्टिंग, तथ्यों की जाँच और भड़काऊ भाषा से परहेज सामाजिक तनाव कम कर सकता है।

यहूदी विरोधी हिंसा के प्रति राज्य की प्रतिक्रिया ऑस्ट्रेलिया के लोकतांत्रिक मूल्यों की भी परीक्षा है। यदि सुरक्षा उपाय किसी विशेष समुदाय को संदिग्ध ठहराने लगें या असहमति को कुचलने का माध्यम बन जाएँ तो वे स्वयं समस्या का हिस्सा बन सकते हैं। इसलिए अधिकार आधारित सुरक्षा दृष्टिकोण आवश्यक है, जिसमें सुरक्षा और स्वतंत्रता को परस्पर पूरक माना जाए। विदेश नीति की आलोचना और यहूदी विरोधी नफ़रत के बीच स्पष्ट अंतर करना इस संतुलन का केंद्रीय तत्व है।

अंततः, ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी विरोधी हिंसा केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है बल्कि यह सामाजिक चेतावनी भी है। यह दिखाती है कि वैश्विक ध्रुवीकरण, डिजिटल दुष्प्रचार और आंतरिक कमजोरियाँ मिलकर किस प्रकार लोकतांत्रिक समाजों को अस्थिर कर सकती हैं। इसका समाधान न तो केवल सख़्त कानूनों में है और न ही पूर्ण उदारता में बल्कि संतुलित, अधिकार-सम्मत और समुदाय-केंद्रित रणनीति में निहित है। लक्षित पुलिसिंग, एकीकृत खुफिया तंत्र, जिम्मेदार डिजिटल नियमन और सामाजिक संवाद- इन सभी के माध्यम से नफ़रत से जुड़े अपराधों का प्रभावी मुकाबला किया जा सकता है।

अफ्रीका की धरती पर भारत का आत्मीय स्वागत, इथियोपिया में मोदी युग की नई साझेदारी

-कांतिलाल मांडोत-

अफ्रीका के हृदय कहे जाने वाले इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा केवल एक कूटनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि भारत-इथियोपिया के हजारों वर्ष पुराने संबंधों को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक क्षण बन गया। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी अदीस अबाबा के बोले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे, वहां आत्मीयता, सम्मान और अपनत्व का ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने दोनों देशों के रिश्तों की गहराई को स्पष्ट कर दिया। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली स्वयं प्रोटोकॉल तोड़ते हुए प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने पहुंचे और सबसे विशेष बात यह रही कि वे खुद कार चलाकर प्रधानमंत्री मोदी को एयरपोर्ट से होटल तक लेकर गए। यह दृश्य केवल औपचारिकता नहीं था, बल्कि अफ्रीकी संस्कृति में मित्रता और भरोसे का प्रतीक माना जाता है।

एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। इथियोपिया की सांस्कृतिक पहचान मानी जाने वाली पारंपरिक कॉफी सेरेमनी के माध्यम से उनका अभिनंदन हुआ। यह रस्म इथियोपिया में सम्मान और अपनत्व का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती है। प्रवासी भारतीयों ने "भारत माता की जय" और "मोदी-मोदी" के नारों के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक नृत्यों और भारतीय तिरंगे के बीच पूरा माहौल उत्सव में बदल गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस गर्मजोशी को महसूस करते हुए कहा कि इथियोपिया की धरती पर आकर उन्हें अपनेपन का अहसास हो रहा है।

इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण तब आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इथियोपिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ग्रैंड ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ इथियोपिया से सम्मानित किया गया। यह सम्मान इथियोपिया की ओर से किसी विदेशी नेता को दिया जाने वाला सर्वोच्च अलंकरण है। सम्मान स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 140 करोड़ भारतीयों का गौरव बताया और कहा कि यह सम्मान भारत और इथियोपिया की साझा मित्रता, साझा मूल्यों और साझा भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अफ्रीका के साथ साझेदारी को अपने शर्तों पर नहीं, बल्कि अफ्रीका की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार आगे बढ़ाना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इथियोपिया की संसद को भी संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया केवल रणनीतिक साझेदार नहीं, बल्कि सभ्यतागत साथी हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब भारत औपनिवेशिक शासन से जूझ रहा था, तब इथियोपिया भी स्वतंत्रता और स्वाभिमान की लड़ाई लड़ रहा था। दोनों देशों ने कभी एक-दूसरे के खिलाफ हथियार नहीं उठाए और हमेशा शांति, संप्रभुता और समानता के सिद्धांतों का समर्थन किया।

प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई, जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल साझेदारी जैसे कई अहम मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत-इथियोपिया संबंध अब केवल सहयोग तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि इन्हें रणनीतिक साझेदारी में बदला जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई पर भी दोनों नेताओं के विचार एक जैसे दिखाई दिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है और इसके समर्थन या औचित्य को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इथियोपिया की ओर से आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख का समर्थन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने धन्यवाद भी दिया।

व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में भारत और इथियोपिया के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि इथियोपिया में भारत सबसे बड़ा निवेशक है और भारत, इथियोपिया के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार भारत से इथियोपिया को होने वाला निर्यात लगभग 4433 करोड़ रुपये का है, जबकि इथियोपिया से भारत का आयात करीब 442 करोड़ रुपये का है। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापार की अपार संभावनाएं हैं और भविष्य में इसे और बढ़ाया जा सकता है।

भारत इथियोपिया को मुख्य रूप से लोहा और स्टील, दवाइयां और फार्मास्युटिकल उत्पाद, मशीनरी, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल पार्ट्स और इंजीनियरिंग सामान का निर्यात करता है। भारतीय फार्मा कंपनियां इथियोपिया के स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और वहां सस्ती तथा गुणवत्तापूर्ण दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही हैं। वहीं इथियोपिया से भारत दालें, कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर, तिलहन बीज, चमड़ा और मसालों का आयात करता है। इथियोपिया का कॉफी उद्योग भी विश्व प्रसिद्ध है और भारत के लिए इसमें सहयोग की नई संभावनाएं हैं।

भौगोलिक दृष्टि से देखें तो भारत और इथियोपिया के बीच की दूरी लगभग साढ़े चार से पांच हजार किलोमीटर के आसपास है। नई दिल्ली से अदीस अबाबा की हवाई दूरी करीब 4500 किलोमीटर मानी जाती है। इतनी दूरी के बावजूद दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और भावनात्मक निकटता इस यात्रा में साफ दिखाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूरी कभी भी दिलों के बीच की नजदीकी को कम नहीं कर सकती, अगर सोच और लक्ष्य एक जैसे हों। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी रेखांकित किया कि भारत और इथियोपिया दोनों ही ग्लोबल साउथ के प्रमुख साझेदार हैं। विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंच पर मजबूती से रखने में दोनों देशों की भूमिका अहम है। जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक असमानता जैसे मुद्दों पर भारत और इथियोपिया के विचार मिलते-जुलते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इथियोपिया की आर्थिक प्रगति और अफ्रीका में उसकी नेतृत्वकारी भूमिका की सराहना की।

इस पूरे दौरे के दौरान जो बात सबसे अधिक उभरकर सामने आई, वह थी आपसी विश्वास और सम्मान। एयरपोर्ट पर आत्मीय स्वागत से लेकर सर्वोच्च सम्मान प्रदान करने तक, हर क्षण यह संदेश देता रहा कि भारत और इथियोपिया के रिश्ते केवल कागजी समझौतों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दिल से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा आने वाले वर्षों में भारत-इथियोपिया संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की नींव रखती है। अंततः कहा जा सकता है कि इथियोपिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत और उन्हें मिला सर्वोच्च सम्मान भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यह यात्रा अफ्रीका के साथ भारत की गहरी होती साझेदारी, ग्लोबल साउथ की मजबूत होती आवाज और एक ऐसे भविष्य की ओर इशारा करती है, जहां सहयोग, सम्मान और साझा विकास ही संबंधों की बुनियाद होंगे।

जब आएं शनिदेव स्वप्न में!

शनि अगर सपने में गिद्ध पर सवार हुए दिखाए दें तो यह बड़ा ही अपशकुन माना जाता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार गिद्ध पर शनि का दिखना शोक देता है। इस स्थिति में शनि शांति के उपाय करने चाहिए। शनि देव का कौए पर सवार होकर दिखना सुख शांति छीन लेता है। ज्योतिषशास्त्र में बताया गया है कि शनि अगर कौए पर सवार दिखे तो परिवार एवं समाज में वाद-विवाद होता है। व्यक्ति को अपमान का सामना करना पड़ता है। शनि देव अगर सपने में हाथी पर सवार होकर दिख जाएं तो यह बड़ा ही शुभ शगुन है। साढ़ेसाती के दौरान शनि अगर हाथी पर सवार होकर आपकी कुंडली में असर डालते हैं तो इससे बड़ा सौभाग्य हो ही नहीं सकता है। शनि चालीसा में बताया गया है कि शनि जब हाथी पर आते हैं तो अपने साथ लक्ष्मी भी लाते हैं यानी व्यक्ति को अचानक ही धन लाभ होते रहते हैं। शनि एक वाहन मोर भी बताया गया है। कहते हैं जब शनि महाराज किसी व्यक्ति को मोर पर सवार दिख जाते हैं तो उसे कोई शुभ फल मिलने वाला होता है। साढ़ेसाती के दौरान शनि मोर पर सवार होकर आपकी राशि पर असर डालते हैं तो हर तरफ से शुभ समाचार और खुशियां मिलती रहती है। शनि महाराज यमराज के भाई हैं यमराज की तरह इनका भी एक वाहन भैंस है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शनि का भैंस पर सवार दिखना यह संकेत है कि आपको मिले जुले परिणाम मिलने वाले हैं यानी खुशी और गम का मिला जुला असर रहेगा आपके जीवन में। शनि महाराज एक वाहन है घोड़ा। माना जाता है कि जिन्हें शनि महाराज सपने में घोड़े पर सवार दिख जाते हैं उसे सुख-संपत्ति से निहाल कर देते हैं। शनि चलीसा में कहा भी गया है हय ते सुख संपत्ति उपजावै।

आज का इतिहास

1154 – किंग हेनरी द्वितीय इंग्लैंड के सम्राट बने।
1842 – अमेरिका ने हवाई को प्रांत के रूप में मान्यता दी।
1919 – अमेरिका में मौसम विज्ञान सोसायटी की स्थापना हुई।
1927 – उत्तर प्रदेश ऑटोमोबाइल संघ की स्थापना।
1927 - स्वतंत्रता सेनानी राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां और रोशन सिंह को अंग्रेजों ने फांसी दी।
1941 – एडोल्फ हिटलर ने जर्मन सेना की पूरी कमान अपने हाथ में ली।
1945 – मुंबई में संस्थान को पेडर रोड स्थित केनिलवर्थ बंगले में स्थानांतरित किया गया।
1958 – सुकुमार सेन, भारतीय गणराज्य के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त रहे।
1961 – ऑपरेशन विजय के तहत गोवा, दमन और दीव को पुर्तगाल से मुक्त कराया गया।
1974 – ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेट कप्तान रिकी पोंटिंग का जन्म।
1984 – चीन और ब्रिटेन के बीच 1997 तक हांगकांग चीन को सौंपने का समझौता।
1984 - भोपाल गैस त्रासदी में हजारों लोगों की मौत।
1997 – हॉलीवुड की ऐतिहासिक फिल्म टाइटैनिक रिलीज हुई।
1998 – अमर्त्य सेन को बांग्लादेश की मानद नागरिकता।
1998 - अमेरिका में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन पर महाभियोग।
1999 – मकाऊ का चीन को हस्तांतरण।
2000 – ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर लगातार 13वां टेस्ट जीता।
2003 – अमेरिका ने कश्मीर पर पाकिस्तान की यूएन मांग छोड़ने का स्वागत किया।
2003 - लीबिया ने रासायनिक हथियार खत्म करने की घोषणा की।
2005 – अफगानिस्तान में तीन दशक बाद पहली लोकतांत्रिक संसद की बैठक।
2006 – शैलजा आचार्य नेपाल की भारत में नई राजदूत नियुक्त।
2007 – टाइम मैगजीन ने व्लादिमीर पुतिन को पर्सन ऑफ द ईयर चुना।
2008 – केनरा बैंक, एचडीएफसी और बैंक ऑफ राजस्थान ने होम लोन सस्ता किया।
2012 – पार्क ग्युन हे दक्षिण कोरिया की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं।

काकोरी कांड: आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय

- योगेश कुमार गोयल

काकोरी शहीद दिवस पर विशेष

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।

काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारी केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माने जाते हैं। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। साल 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधीजी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है।

यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप साल 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो।

एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े।

संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति रामप्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था।

8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के 10 क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींच कर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया।

इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने 4 क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और रोशन सिंह को अलग-अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया।

काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाषचंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया।

आज, जब हम काकोरी शहीद दिवस मनाते हैं तो यह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का दिन है। काकोरी के शूरवीरों ने हमें सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्त्तव्य भी है उसकी रक्षा का, उसकी गरिमा बनाए रखने का। काकोरी कांड के शहीदों का बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को याद दिलाता रहेगा कि भारत को आजादी यूं ही नहीं मिली बल्कि इसके पीछे अनगिनत वीरों का लहू बहा है। भारत आज भी उनका ऋणी है और सदैव रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

वायु सेना कमांडर भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयार रहें : रक्षा मंत्री

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ वायु सेना की हिम्मत, तेजी और सटीकता को सराहा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को वायु सेना के कमांडरों से ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेने और भविष्य की हर चुनौती का मुकाबला करने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत की वायु सेना तकनीकी में उन्नत, ऑपरेशन में तेज, रणनीतिक रूप से आश्वस्त और भविष्य को ध्यान में रखने वाली फोर्स है, जो आज के समय में देश के हितों की रक्षा कर रही है। 21वीं सदी की लड़ाई सिर्फ हथियारों की लड़ाई नहीं है, यह विचार और प्रौद्योगिकी की लड़ाई है, लेकिन सरकार सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई दिल्ली में आज वायु सेना के कमांडर्स कॉन्क्लेव में रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की हाई-इम्पैक्ट, कम समय की ऑपरेशनल क्षमता दिखाई। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन के दौरान वायु सेना की हिम्मत, तेजी और सटीकता की तारीफ करते हुए कहा कि वायु योद्धाओं ने आतंकी कैंपों को तबाह किया और स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के 'गैर जिम्मेदाराना रिएक्शन' को असरदार तरीके से संभाला। भारत की हवाई क्षमता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तानी सेना ने भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, तो भारत के लोग शांत रहे और अपने रोजाना के काम करते रहे। यह हमारी ऑपरेशनल तैयारियों में हर भारतीय के भरोसे का सबूत है।

युद्ध के बदलते तरीके पर बात करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष, इजराइल-हमास युद्ध, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर इस बात के सबूत हैं कि एयर पावर आज के समय में एक अहम ताकत बनकर उभरी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरे इक्विपमेंट के असरदार इस्तेमाल की तारीफ करते हुए कहा कि साइबर वॉरफेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अनमैन्ड एरियल व्हीकल, सैटेलाइट-बेस्ड सर्विलांस और स्पेस-इनेबल्ड क्षमताएं लड़ाई के भविष्य को पूरी तरह से बदल रही हैं। राजनाथ सिंह ने भरोसा जताया कि सुदर्शन चक्र आने वाले समय में देश की संपत्ति की सुरक्षा में अहम भूमिका भाएगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी जेट इंजन बनाना एक राष्ट्रीय मिशन बन गया है, और सरकार इस लक्ष्य को पाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। रक्षा मंत्री ने बताया कि सरकार प्राइवेट सेक्टर के साथ मिलकर सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के मिशन पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि नवंबर तक आइडेक्स के तहत दिए गए 565 चैलेंज में से कुल 672 विनर सामने आए हैं, जिनमें वायु सेना से जुड़े 77 चैलेंज में से 96 विनर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रगति दिखाती है कि डिफेंस सेक्टर में युवाओं, खासकर प्राइवेट सेक्टर के लोगों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है। राजनाथ सिंह ने कहा कि तीनों सेनाओं के बीच मिलकर काम करना बहुत जरूरी है, क्योंकि इससे हमारा सुरक्षा सिस्टम और मजबूत होगा और हम अपने दुश्मनों से और भी अच्छे से निपट पाएंगे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि चाहे देश में हो या विदेश में, वायु सेना ने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लगातार जरूरी मदद दी है। कई मिशन बहुत मुश्किल हालात में पूरे किए गए, जिससे लोगों का हमारे एयर वॉरियर्स पर भरोसा बढ़ा है। इस कॉन्क्लेव में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और वायु सेना के वरिष्ठ कमांडर शामिल हुए। रक्षा मंत्री का स्वागत वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने किया और बाद में उन्हें ऑपरेशनल तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

कर्नाटक का पहला जेन-जी पोस्ट ऑफिस बेंगलुरु में शुरू

छात्रों के लिए डिजिटल और क्रिएटिव स्पेस

नई दिल्ली। भारतीय डाक विभाग ने कर्नाटक में आज पहला जेन-जी थीम वाला डाकघर शुरू किया किया। इसके तहत राजधानी बेंगलुरु के आचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी परिसर स्थित अचित नगर डाकघर को पूरी तरह नए स्वरूप में विकसित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं और छात्रों के लिए नई डाक सेवाओं को डिजिटल, सुलभ और आकर्षक बनाना है।

केंद्रीय संचार मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक जेन-जी पोस्ट ऑफिस पारंपरिक डाकघर से अलग आधुनिक और जीवंत स्पेस के रूप में तैयार किया गया है। यहां वर्क कैफे की तर्ज पर इंटीरियर, मुफ्त वाई-फाई, बैठने की आरामदायक व्यवस्था, लैपटॉप और मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट तथा कॉफी वेंडिंग मशीन उपलब्ध कराई गई है। साथ ही बुक बूथ में किताबें और बोर्ड गेम्स रखे गए हैं। डाकघर की दीवारों पर संस्थान के छात्रों द्वारा बनाई गई बेंगलुरु, इंडिया पोस्ट और आचार्य संस्थान की पहचान दिखाने वाली कलाकृतियां बनाई गई हैं। डाक विभाग के अनुसार, डिजिटल सुविधाओं के तहत यहां सेल्फ बुकिंग कियोस्क, क्यूआर कोड आधारित त्वरित भुगतान प्रणाली और माईस्टैंप काउंटर की व्यवस्था की गई है, जहां व्यक्तिगत स्टाम्प भी छपवाए जा सकते हैं। यह व्यवस्था जेन-जी की डीआईवाई सोच और डिजिटल भुगतान की प्राथमिकताओं के अनुरूप है। इस डाकघर का उद्घाटन 17 दिसंबर को कर्नाटक पोस्टल सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल प्रकाश ने आचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की अकादमिक निदेशक डॉ. भागीरथी वी की मौजूदगी में किया गया। बेंगलुरु पश्चिम डिवीजन की वरिष्ठ अधीक्षक सूर्या ने कहा कि इस डाकघर की संकल्पना और डिजाइन में छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही है। यह पहल छात्रों की सुविधा, रचनात्मकता और पहुंच को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। परिसर में ही पार्सल पैकेजिंग जैसी सेवाएं उपलब्ध होने से छात्रों का समय बचेगा और सामान भेजना अधिक आसान व सुरक्षित होगा।

देश को चौबीसों घंटे बिजली देने के लिए परमाणु ऊर्जा जरूरीः हर्षवर्धन श्रृंगला

नई दिल्ली। सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (शांति) बिल पर गुरुवार को राज्यसभा में चर्चा के दौरान मनोनीत सदस्य हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि यह विधेयक भारत के ऊर्जा भविष्य के लिए बहुत अहम है। यह कानून परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को आधुनिक बनाने, निवेश को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसुरक्षा को पूरी तरह सुरक्षित रखने के लिए लाया गया है।

श्रृंगला ने कहा कि 2014 से 2025 के बीच भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। आज देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 500 गीगावॉट (जी डब्ल्यू) से ज्यादा हो चुकी है, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से है। सौर ऊर्जा 2014 में 2.8 गीगावॉट से बढ़कर 2025 में 100 गीगावॉट से ज्यादा हो गई है। भारत ने 2030 का लक्ष्य 5 साल पहले ही हासिल कर लिया। उन्होंने कहा कि सौर और पवन ऊर्जा जरूरी हैं, लेकिन ये हर समय उपलब्ध नहीं रहतीं। देश को चौबीसों घंटे साफ और भरोसेमंद बिजली देने के लिए परमाणु ऊर्जा जरूरी है, खासकर जब बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है और पुराने कोयला संयंत्र बंद होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक निजी और विदेशी निवेश की अनुमति देता है, लेकिन यूरेनियम संवर्धन, ईंधन प्रबंधन और सुरक्षा जैसे संवेदनशील काम सरकार के पास ही रहेंगे।

यह 'निजीकरण नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के साथ साझेदारी' है। उन्होंने बताया कि भारत की मौजूदा परमाणु क्षमता 8.8 जीडब्ल्यू है और इसे 2047 तक 100 जीडब्ल्यू तक ले जाने का लक्ष्य है, जिसके लिए करीब 19.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। यह बिल नियमों को स्पष्ट और आसान बनाता है, ताकि निवेशकों को भरोसा मिले। श्रृंगला ने कहा कि पश्चिम एशिया के सॉवरेन वेल्थ फंड्स छोटे परमाणु रिएक्टर (एसएमआर) में निवेश में रुचि दिखा रहे हैं। दुनिया के 22 से ज्यादा देशों ने सीओपी 28 में 2050 तक परमाणु क्षमता तीन गुना करने का संकल्प लिया है। उन्होंने संसद से शांति विधेयक का समर्थन करने की अपील की।

रायपुर : 'मनखे-मनखे एक समान' की भावना को साकार करता मेगा हेल्थ कैम्प : मुख्यमंत्री साय

रायपुर में 5 दिवसीय निःशुल्क मेगा हेल्थ कैम्प प्रारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर में मानव सेवा, सामाजिक समरसता और स्वास्थ्य जागरूकता के लिए आयुर्वेदिक कॉलेज परिसर में आज गुरुवार 18 से 22 दिसंबर तक आयोजित 5 दिवसीय निःशुल्क मेगा हेल्थ कैम्प 2025 का भव्य शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए अमन, चैन और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि यह 5 दिवसीय निशुल्क मेगा हेल्थ कैम्प हजारों लोगों के लिए स्वास्थ्य संजीवनी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपने गठन के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इन 25 वर्षों में स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित कर रही है।

वहीं राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु 25 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि यह आयोजन मात्र एक स्वास्थ्य शिविर नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय करुणा की सशक्त अभिव्यक्ति है। बाबा गुरु घासीदास जी के श'सत्य, अहिंसा और समानता के संदेश से प्रेरित यह महाअभियान समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने का अनुकरणीय प्रयास है।

उन्होंने बताया कि 100 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों की सहभागिता से यह कैम्प केवल प्राथमिक जांच तक सीमित नहीं, बल्कि अंतिम निदान एवं उपचार तक का समग्र समाधान प्रदान कर रहा है। डॉ. सिंह ने आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था और व्यापक प्रभाव की सराहना की। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती पर आयोजित यह स्वास्थ्य महाकुम्भ समाज के हर वर्ग के लिए अत्यंत लाभकारी है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग इस कैम्प में स्वास्थ्य लाभ लेने पहुँचे हैं। जिन रोगियों का उपचार कैम्प में संभव नहीं होगा, उन्हें आयुष्मान कार्ड के माध्यम से संबद्ध संस्थानों में निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम को विधायक किरण सिंह देव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायकराजेश मूणत, विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, महापौर मीनल चौबे सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

'वीबी-जी राम जी बिल' गरीब विरोधी, कांग्रेस करेगी पुरजोर विरोधः प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा से आज पारित विकसित भारत- रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक को गरीब विरोधी बताया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध करेगी। प्रियंका ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि इस विधेयक से मनरेगा खत्म होने जा रहा है। हम इसका पूरी तरह विरोध करेंगे। इस पर सभी विपक्षी पार्टियां सहमत हैं। इसमें लोगों की मजदूरी के दिन 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर देना सिर्फ एक चालाकी है। उन्होंने कहा कि जैसे ही इस विधेयक के खर्च का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, धीरे-धीरे मनरेगा बंद होने लगेगी। मनरेगा योजना देश के सबसे गरीब लोगों के लिए रोजगार का सहारा रही है और कोरोना जैसी मुश्किल परिस्थितियों में भी यह उनके साथ खड़ी रही। यह विधेयक गरीब-मजदूरों के खिलाफ है और कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध करेगी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 16 दिसंबर को यह विधेयक लोकसभा में पेश किया था, जो आज हंगामें के बीच लोकसभा में ध्वनिमत से पारित हो गया। कांग्रेस-नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने साल 2005 में ग्रामीण इलाकों के लोगों का जीवन सुधारने के उद्देश्य से मनरेगा कानून लागू किया था, जिसमें देश के सभी जिले शामिल थे। मनरेगा योजना में मजदूरों को मिलने वाली मजदूरी का पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाती है, जबकि सामग्री व अन्य खर्च राज्यों के साझा योगदान से होते हैं। वहीं, नए बिल में प्रस्ताव है कि कुल खर्च का 60 प्रतिशत केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य सरकार उठाएगी। पूर्वोत्तर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और अन्य केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्र सरकार खर्च का 90 प्रतिशत वहन करेगी। इसके अलावा, इस नई योजना में अप्लाई करने के 15 दिनों के भीतर अगर किसी को काम नहीं मिलता है तो दैनिक बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, जिसका खर्च राज्य सरकार उठाएगी। यह प्रावधान मनरेगा में भी मौजूद है।

'शांति विधेयक 2025' पर राज्यसभा में बहस, सरकार और विपक्ष आमने-सामने

नई दिल्ली। परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में भारत के रूपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्धन विधेयक यानी शांति विधेयक, 2025 पेश किया। उच्च सदन में विधेयक पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें सत्ता पक्ष ने इसे देश की ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के लिए अहम बताया, जबकि विपक्ष ने सुरक्षा, दायित्व और निजीकरण को लेकर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने सदन को बताया कि यह विधेयक नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने का मार्ग प्रशस्त करता है लेकिन इसके साथ ही सख्त सुरक्षा उपाय और निगरानी तंत्र भी सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में किसी भी कीमत पर सुरक्षा तंत्र से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि परमाणु ऊर्जा 24×7 भरोसेमंद बिजली का स्रोत है, जो अन्य नवीकरणीय विकल्पों के मामले में हमेशा संभव नहीं हो पाता। मंत्री ने कहा कि पिछले 10-11 वर्षों में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को सशक्त किया है।

उन्होंने कहा कि भारत अब अनुयायी नहीं बल्कि अग्रणी देश बन चुका है। जलवायु, ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे वैश्विक मुद्दों पर भारत दिशा दिखा रहा है।" डॉ. सिंह ने बताया कि देश को जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना होगा, और इसमें परमाणु ऊर्जा की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सदन को अवगत कराया कि साल 2014 से पहले परमाणु ऊर्जा विभाग का बजट 13,879 करोड़ रुपये था, जो वर्तमान वित्त वर्ष में बढ़ कर 37,483 करोड़ रुपये हो गया है। वर्ष 2015 में सरकार ने परमाणु क्षेत्र में संयुक्त उपक्रमों की अनुमति दी थी, हालांकि तब यह केवल सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तक सीमित थी। वर्ष 2017 में मंत्रिमंडल ने एक साथ 10 परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की मंजूरी दी, जबकि सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री ने चार नए परमाणु रिएक्टरों की आधारशिला रखी। डॉ. सिंह ने कहा कि साल 2014 में देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता 4.7 गीगावाट थी, जो अब बढ़कर 8.9 गीगावाट हो चुकी है। हालांकि यह कुल बिजली उत्पादन का मात्र तीन प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि साल 2047 तक इसे कम से कम 10 प्रतिशत तक ले जाने के लक्ष्य के साथ इस वर्ष के बजट में न्यूक्लियर एनर्जी मिशन की शुरुआत की गई है। इस मिशन का एक प्रमुख घटक निजी क्षेत्र की भागीदारी है, जिसे आवश्यक सुरक्षा और निगरानी प्रावधानों के साथ लागू किया जाएगा।

विधेयक के समर्थन में भाजपा की राज्यसभा सदस्य किरण चौधरी ने कहा कि शांति विधेयक पुराने और बिखरे हुए कानूनों को समाप्त कर एक आधुनिक और एकीकृत ढांचा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक लाइसेंसिंग, सुरक्षा मंजूरी, दायित्व और मुआवजे से जुड़े प्रावधानों को एक साथ समाहित करता है, जिससे नीतिगत भ्रम और जड़ता खत्म होगी। उन्होंने विपक्ष पर निजीकरण को लेकर अनावश्यक डर फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि देशहित की सुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रावधान मौजूद हैं।

विपक्ष की ओर से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने चर्चा में भाग लेते हुए भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा को साल 2014 से पहले की उपलब्धियों से जोड़ा। उन्होंने याद दिलाया कि देश का पहला परमाणु ऊर्जा कानून 6 अप्रैल 1948 को पारित हुआ था और उसी वर्ष 15 अगस्त को परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की गई थी। उन्होंने डॉ. होमी भाभा के नेतृत्व में तीन चरण के परमाणु कार्यक्रम, अप्सरा रिएक्टर (1956), तारापुर परमाणु संयंत्र और बाद के अनुसंधान रिएक्टरों का उल्लेख करते हुए कहा कि दशकों पहले इस क्षेत्र की नींव रखी जा चुकी थी। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागारिका घोष ने शांति विधेयक को 'भारतीय परमाणु ऊर्जा प्रणाली का कुलीनकरण' करार दिया। डीएमके के पी. विल्सन ने आरोप लगाया कि यह विधेयक आपूर्तिकर्ता की जिम्मेदारी को कमजोर करता है और सुरक्षा से जुड़े वास्तविक सवालों का समाधान नहीं करता।

राष्ट्रपति सहित कई नेताओं ने दी राम सुतार को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माता और प्रख्यात मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा कि पद्म भूषण से अलंकृत प्रख्यात मूर्तिकार राम सुतार के निधन से वे अत्यंत दुखी हैं। उन्होंने कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित उनके स्मारकीय कार्य भारत की कला और सांस्कृतिक विरासत के महान प्रतीक हैं और उनकी कला आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। राष्ट्रपति ने शोक संतप्त परिवार और प्रशंसकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। अमित शाह ने राम सुतार को भारतीय संस्कृति और विरासत को चिरस्मरणीय बनाने वाला महान शिल्पकार बताया। उन्होंने कहा कि अजंता-एलोरा की मूर्तियों के जीर्णोद्धार में भी राम सुतार का महत्वपूर्ण योगदान रहा और उनका निधन भारतीय कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी समेत अनेक ऐतिहासिक प्रतिमाओं का निर्माण कर राम सुतार ने भारतीय मूर्तिकला के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माता राम सुतार के निधन से कला जगत को गहरा सदमा लगा है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को संबल देने की प्रार्थना की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए जानकारी दी कि राम सुतार के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि संसद भवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा से लेकर सरदार पटेल की विशाल स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक, राम सुतार ने अपनी अद्वितीय कला से भारतीय गौरव को जीवंत किया। उनका निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि महान शिल्पकार, विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' को साकार करने वाले, पद्म भूषण से सम्मानित राम सुतार के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है।

राष्ट्र की आत्मा संस्कृति में होती है: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के शताब्दी वर्ष समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र की आत्मा संस्कृति में होती है, जैसे किसी मनुष्य की आत्मा शरीर से सम्बंध छोड़ देती है तो शरीर निस्तेज हो जाता है।

ऐसे ही राष्ट्र से उसकी संस्कृति अलग कर दिया जाय तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है, खंडहर हो जाता है, राष्ट्र अपनी पहचान खो देता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इसी वर्ष हमने इस सदी के महाकुंभ का आयोजन किया, जिन लोगों को मान्यता थी कि आज का युवा अपनी संस्कृति से विमुख हो रहा है, उन्होंने देखा होगा कि इस महाकुंभ के आयोजन में 66 करोड़ से अधिक लोग आए। इसमे आने वाली सबसे बड़ी संख्या युवाओं की थीः। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जगत का पहला स्वर ॐ है।

जब आप योग में इसको सुनने का प्रयास करेंगे तो यह नाद की तरह गुंजायमान होगा। यही जगत की सच्चाई है। यही विज्ञान कहता है। अध्यात्म भी यही कहता है, यही संस्कृति भी कहती है, यही विश्वविद्यालय भी कह रहा है कि नाद के अधीन यह जगत है। उस नाद को पहचानने के लिए संगीत की अलग अलग विधाओं द्वारा की जाने वाली साधना संगीत का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य है जहां से सांसद के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी स्वयं देश की संसद में प्रतिनिधित्व करते हैं।

यहां पर अभी हमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सोनल मान सिंह ने कहा कि यहां जब नृत्य करते हैं तो नटराज के रूप में भगवान शिव हमारे सामने दिखाई देते हैं। जब हम वीणा में अपने स्वर को लय दे रहे होते हैं तो साक्षात सरस्वती माता सरस्वती हमारे सामने होती हैं। हम जब कोई संवाद किसी नाटक में कर रहे होते हैं तो राम की मर्यादा हमारे सामने उस समय देखने को मिलती है और जब हम किसी रस में डूबे होते हैं तो कृष्ण की रस धारा भी हमारे साथ जुड़ती हुई दिखाई देती है। ये कहां मिलेगा सब कुछ तो उत्तर प्रदेश के अंदर मौजूद है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र के दौरान वंदे मातरम पर 5 घंटे चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र के दौरान वंदे मातरम पर 5 घंटे की चर्चा की जाएगी। 19 दिसंबर को शुरू हो रहे विधानसभा सत्र से एक दिन पूर्व आज गुरुवार को कार्य मंत्रणा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ ही सत्ताधारी समेत अन्य पार्टियों के सदस्य शामिल हुए।

बैठक से बाहर निकले समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता विधायक रविदास मेहरोत्रा बताया कि 19 से 24 दिसंबर तक विधानसभा चलेगी। पहले दिन सदन में निधन पर शोक के बाद कार्यवाही स्थगित हो जाएगी। शनिवार और रविवार को अवकाश रहेगा। सोमवार यानी 22 दिसंबर को सदन की कार्यवाही फिर से चलेगी। इसी दिन वंदे मातरम पर चर्चा होगी।

विपक्षी विधायक सपा नेता रविदास मेहरोत्रा ने पत्रकारों से बताया कि सरकार ने वंदे मातरम पर चर्चा के लिए चार घंटे का प्रस्ताव रखा था। विपक्ष ने 8 घंटे चर्चा की मांग की। इस पर पांच घंटे चर्चा पर सहमति बनी है। उन्होंने बताया कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में विपक्ष ने सत्र के दिन बढ़ाने की मांग की। साथ ही यह भी मांग की गई कि शनिवार और रविवार को भी अवकाश स्थगित कर सदन की कार्यवाही संचालित की जाए। इस पर सरकार की तरफ से विचार करने की बात कही गई है। विधान सभा की कार्यवाही का 24 दिसंबर तक चलने का प्रस्तावित कार्यक्रम है।

पुलिस मुठभेड़ में गौकशी के दो आरोपी गिरफ्तार, अवैध असलहे व उपकरण बरामद

बरेली। उत्तर प्रदेश में बरेली जनपद की थाना बारादरी पुलिस ने गौकशी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपियों के कब्जे से अवैध असलहे और गौकशी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए हैं। प्रभारी निरीक्षक धनंजय पाण्डेय के अनुसार, 17/18 दिसंबर की रात पुलिस को सूचना मिली थी कि गौकशी में संलिप्त संदिग्ध व्यक्ति फाइव एंक्लेव के पीछे खेतों व जंगल के पास घूम रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी घायल हो गए और उन्हें दबोच लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रिजवान उर्फ पिन्ना निवासी सूफी टोला और जुनैद निवासी कटी कुईया, थाना बारादरी के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से 12 बोर और 315 बोर के तमंचे, कारतूस, चाकू, रस्सियां, मीट काटने का गुटका, टॉर्च व अन्य सामान बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने सुनसान इलाकों में घूम रहे गौवंशीय पशुओं को काटकर मांस बेचने की बात कबूल की है। इस संबंध में थाना बारादरी में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विधायक सुरेंद्र मैथानी ने केडीए के उपाध्यक्ष के साथ किया स्थलीय दौरा जानलेवा रफाका नाले को ढकने के दिये निर्देश

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर की गोविंदनगर विधानसभा के बीचो-बीच बह रहे जानलेवा रफाका नाले को लेकर विधायक सुरेंद्र मैथानी ने आज कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के उपाध्यक्ष मदन सिंह के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। जहरीली गैस, दूषित पेयजल, गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने नाले को ढककर पाइपलाइन व सड़क निर्माण की मांग उठाई।

विधायक सुरेंद्र मैथानी ने गुरुवार को भ्रमण करते हुए कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल से कहा कि गोविंदनगर विधानसभा में आवास विकास से एक नौ किलोमीटर लंबा रफाका नाला है जो मस्वानपुर, रावतपुर, विजयनगर में गंदानाला के रूप में चलकर, शास्त्री चौक, बर्रा, तात्याटोपे नगर से होते हुए आगे पांडु नदी में मिलता है। खुले हुए नाले के कारण जहरीली गैस का उत्सर्जन होता है और अनजाने ही आम जनता, बच्चे, महिलाएं, नौजवान, बुजुर्ग विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियों जैसे किडनी, लिवर, कैंसर, सांस फूलना, शरीर पर चकत्ते हो जाना जैसी गंभीर बीमारियों की चपेट में बिना दोष के आ जाते हैं और आने वाली पीढ़ियों में दिव्यांगता का प्रतिशत भी इससे बढ़ सकता है।

भूगर्भ जल भी भीषण रूप से प्रदूषित हो रहा है। भीषण स्वच्छता का अभाव इस नाले के कारण से हो रहा है। इस गंदगी के कारण आसपास के लोगों का जीना दूभर हो गया है। इस रफाका नाले को आज की एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए पाइप लाइन से निकालते हुए सीधे पांडव नदी में ट्रीटमेंट उपरांत जोड़ दिया जाए और उसके ऊपर एक सड़क मार्ग बना दिया जाए। जिससे आम जनता और नाले के दोनों तरफ लगभग दो-दो किलोमीटर की परिधि में रहने वाली जनता और आने वाली पीढ़ी को बड़ी राहत मिलेगी ।

विधायक मैथानी ने कहा कि यह कार्य भी ठीक उसी प्रकार से जनहित में हो जाएगा। जैसे मैंने डबल पुलिया, विजयनगर से लेकर, लोहारन भट्टा (जीटी रोड) तक नहर को पाइपलाइन के अंदर से निकालकर उसके ऊपर सड़क मार्ग का निर्माण मुख्यमंत्री से आग्रह करके पूर्ण कराया है। उसी तर्ज पर यह निर्माण कर दिया जाए, तो जनता बहुत राहत महसूस करेगी। इससे करीब 20 लाख से भी ज्यादा आबादी और आने वाली पीढ़ी भी भूगर्भ जल प्रदूषित होने जहरीली गैस निकलने एवं प्रदूषण युक्त वातावरण जैसी तमाम, भविष्य की दुश्वारियां से मुक्त होगी। केडीए वीसी ने विधायक की मांग पर सकारात्मक जवाब दिया कि जल्द ही इसकी कार्रवाई को आगे बढ़ाकर जनहित में इसको पूर्ण करने का प्रयास करेंगे।

सहारनपुर में जयपुर पुलिस ने छापेमारी कर 4.30 लाख के जाली नोट किये बरामद, एक गिरफ्तार

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से नकली नोटों के बड़े नेटवर्क का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। राजस्थान पुलिस ने बुद्धवार देर रात सहारनपुर में छापेमारी कर एक युवक को नकली नोट बनाते हुए अरेस्ट किया है। उसके घर से 4.30 लाख रुपए के नकली नोट, नोट छापने के उपकरण और डाई बरामद हुई है।

इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कम्प मच गया है। राजस्थान पुलिस आरोपित को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर जयपुर रवाना हो गई है, जहां उससे पूछताछ के बाद देश भर में फैले बड़े नकली नोट नेटवर्क होने की सम्भावना जताई जा रही है। दरअसल, जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने बीते रविवार रात चित्रकूट इलाके में दबिश देकर नकली नोटों की तस्करी में शामिल गोविंद चौधरी और देवांश फांडा को गिरफ्तार किया था। दोनों के कब्जे से कुल 2.90 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। पूछताछ में आरोपितों ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि नकली नोटों की पूरी खेप उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से लाई गई थी। इस इनपुट के बाद राजस्थान पुलिस बुधवार देर रात सहारनपुर पहुंची। थाना सदर बाजार पुलिस को साथ लेकर राजस्थान पुलिस ने दिल्ली रोड स्थित सेंट्रल बाग कॉलोनी में छापा मारा। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस गौरव पुंडीर के घर पहुंची, जहां से नकली नोटों का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपित अपने घर में ही नकली नोट तैयार कर रहा था। पुलिस पूछताछ में आरोपित गौरव पुंडीर ने कबूल किया कि वह पिछले 6 महीनों से नकली नोटों का धंधा कर रहा था।

उसने बताया कि वह 1 लाख रुपए के बदले 3 लाख रुपये के नकली नोट सप्लाई करता था और कई राज्यों में इसकी आपूर्ति कर चुका है। पुलिस को आरोपित के घर से 4.30 लाख के नकली नोट, नोट छापने के उपकरण और डाई भी बरामद हुई है। जयपुर के थाना चित्रकूट के सब-इंस्पेक्टर हवा सिंह को सूचना मिली थी कि एक युवक कार में घूम रहा है, जिसके पास नकली नोट हैं। सीएसटी टीम ने संदिग्ध कार को पकड़ कर तलाशी ली, जहां से 1.90 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए। आरोपित गोविंद को मौके से हिरासत में लिया गया।

हादसा : कंटेनर से टकराई बच्चों से भरी स्कूली बस, चालक घायल

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद में अरौल थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार को स्कूली बस आगे चल रहे कंटेनर से जा टकराई। इस हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और बस चालक घायल हो गया। हालांकि बच्चे सभी सुरक्षित हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं घटना को लेकर कंटेनर चालक से पूछताछ कर रही है।

अरौल थाना प्रभारी जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि बीबीपुर स्थित प्रभा सनराइज एजुकेशन सेंटर की स्कूल बस सुबह करीब 15 बच्चों को लेकर जा रही थी। मकनपुर क्षेत्र में ओवरब्रिज के अंडर पास पहुंचती तभी बिल्हौर से कन्नौज के ठटिया की ओर जा रहे कंटेनर के अचानक मोड़ने से बस अनियंत्रित होकर कंटेनर से टकरा गई। इस घटना सिंघोली गांव निवासी बस चालक वीरेश तिवारी को मामूली चोटे आयीं हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेज कर पुलिस को सूचना दी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कूल बस की टक्कर आगे चल रहे कंटेनर चालक की लापरवाही से मोड़ने के चलते हुआ है। गनीमत की बात यह रही है कि घटना में सभी बच्चे सुरक्षित हैं। हादसे की जानकारी पर पहुंचे स्कूली बच्चों के परिजन उन्हें अपने साथ घर वापस ले गए। जबकि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर तहरीर मिलने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बाल योग संस्कारशाला में बच्चों ने सीखे स्वस्थ जीवन के सूत्र

मीरजापुर। पतंजलि युवा भारत एवं विंध्य योग सेवा धाम के संयुक्त तत्वावधान में नगर के कजरहवा पोखरा, पुलिस लाइन स्थित स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क बाल योग संस्कारशाला का गुरुवार को समापन हुआ। समापन अवसर पर राष्ट्रीय योगासन जज एवं योग गुरु योगी ज्वाला सिंह ने बच्चों को विभिन्न प्राणायाम और योगासनों का अभ्यास कराते हुए उनके लाभों की जानकारी दी।

योग गुरु ने भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए बताया कि इससे कफ रोग, सांस संबंधी समस्याएं, दमा और अस्थमा जैसी बीमारियों में लाभ मिलता है तथा अंतःकरण शुद्ध होता है। इसके साथ ही कपालभाति, अनुलोम-विलोम, उज्जायी, भ्रामरी और उद्गीत प्राणायाम के साथ विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया।

मुख्य महिला केंद्रीय प्रभारी संगीता व्यास ने बच्चों से आह्वान किया कि वे सीखे गए योग और ध्यान को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें, क्योंकि योग ही स्वस्थ और निरोग जीवन का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम के समापन पर स्कूल प्रबंधक रतन जॉनसन ने योग को जीवन का आधार बताते हुए योग गुरुओं को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रभारी युवा भारत प्रवीण मौर्य ने किया।

मारपीट के बाद युवक को मारी गोली, जांच में जुटी पुलिस

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अछल्दा थाना क्षेत्र के ग्राम बिसौली में बुधवार की रात दबंगों ने एक युवक के साथ मारपीट कर उसे गोली मार दी। गोली युवक के हाथ में लगी, जिससे घायल हालत में पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अछल्दा में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अछल्दा थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि ढुहल्ला गांव निवासी शिवम उर्फ मनु चौहान पुत्र अवधेश सिंह चौहान अपने परिचित चाचा को सब्जी देने के लिए बीती रात बिसौली गांव जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बिसौली गांव के कुछ युवकों ने उसे रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर युवकों ने पीड़ित शिवम के साथ मारपीट करते हुए करने लगे और जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। गोली शिवम के हाथ में जा लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तो हमलावर भाग निकले।

आशा वर्कर्स का हल्लाबोल, हक व मानदेय को लेकर सरकार से दो-टूक मांग

बरेली। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन (ऐक्टू से संबद्ध) की ओर से आशा व आशा संगिनी कर्मियों की लम्बित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से सौंपा गया। यूनियन ने आरोप लगाया कि दशकों से आशा वर्कर्स स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बनी हुई हैं, लेकिन सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। ज्ञापन में कहा गया कि आशा कर्मियों से 74 से अधिक कार्य कराए जाते हैं। जबकि अधिकांश कार्यों की प्रोत्साहन राशि का भुगतान वर्षों से नहीं हुआ है। आधारभूत मानदेय, केंद्र व राज्य वित्त से मिलने वाली प्रोत्साहन राशियां कई माह से बकाया हैं। कुछ कार्यों की प्रोत्साहन राशि का आज तक पुनरीक्षण भी नहीं किया गया, जिससे आशा कर्मियों की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है। यूनियन ने मांग की कि आशा व आशा संगिनी को मानद स्वयंसेवक के बजाय सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए।

गैंगस्टर मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित मेजा थाने की पुलिस टीम ने गुरुवार को ऊंचडीह बजाय के पास से गैंगस्टर मामले में फरार आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपित मेजा थाना क्षेत्र के टुड़िहार श्री का पूरा गांव निवासी सुनील कुमार पुत्र कामता प्रसाद है। डीसीपी ने बताया कि इस संबंध में मेजा थाने में धारा 2/3(1) उ.प्र. गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मुकदमा में सौरभ मिश्रा उर्फ आकाश पयासी, सुनील कुमार उपरोक्त, फिरदौस, जगजीत दुवे उर्फ छोटू, अतीक अंसारी के विरुद्ध पंजीकृत किया गया है। इस मामले की विवेचना प्रभारी निरीक्षक माण्डा के द्वारा की जा रही है ।

श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत

सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी निगाह

अहमदाबाद। चयन को लेकर उठे सवालों और कुछ कमजोरियों के उजागर होने के बीच भारत शुक्रवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चुनौतीपूर्ण श्रृंखला का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगा। टेस्ट श्रृंखला में 0-2 से हारने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए वनडे श्रृंखला जीती। अब उसने टी20 श्रृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है, क्योंकि बुधवार को लखनऊ में खराब मौसम के कारण चौथा मैच रद्द कर दिया गया था। यह सुनिश्चित है कि भारत अब इस श्रृंखला को हार नहीं सकता है जो मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए राहत की बात होनी चाहिए क्योंकि टीम के दो प्रमुख खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव तथा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। कुछ समय पहले तक विश्व के नंबर एक खिलाड़ी रहे सूर्यकुमार की फॉर्म भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने टी20 में इस साल 20 मैचों में 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं बनाया। इस दौरान उन्होंने 14.20 के औसत से 213 रन बनाए। गिल का छोटे प्रारूप में नहीं चल पाना भी भारत के लिए अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले चिंता का विषय होगा। वह पिछले मैच में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे जिससे उनका अंतिम मैच में खेलना संदिग्ध है। भारतीय टीम किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझेगी क्योंकि उसके पास शीर्ष क्रम में संजू सैमसन के रूप में एक अच्छा विकल्प मौजूद है। सैमसन निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए कभी भी सही विकल्प नहीं थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि मध्यक्रम में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने अपने तीनों टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक शीर्ष क्रम पर खेलते हुए बनाए हैं। अंतिम मैच में गिल की अनुपलब्धता की स्थिति में मौका मिलने पर केरल का यह विकेटकीपर-बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। इसके अलावा भारतीय टीम संतुलित नजर आती है क्योंकि दोनों ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे अब तक खेले गए तीनों मैचों में अंतिम एकादश में शामिल रहे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में अर्शदीप सिंह अपनी लय में आ रहे हैं जबकि हर्षित राणा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच निजी कारणों से तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे मैच से पहले टीम से जुड़ गए हैं। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है जो इस श्रृंखला में भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती (छह विकेट) के लिए चुनौती पेश करेगी। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा है। अगर उसे श्रृंखला बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीमें इस प्रकार हैं:

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, शाहबाज अहमद, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्क्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, कॉर्बिन बॉश, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, लूथो सिपाम्ला।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा।

विश्व कप विजेता को मिलेगी पांच करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि

मैनचेस्टर। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने घोषणा की कि 2026 में होने वाले विश्व कप के विजेता को 655 मिलियन डॉलर की कुल पुरस्कार राशि में से 50 मिलियन डॉलर (पांच करोड डॉलर) मिलेंगे। अर्जेंटीना को 2022 में चैंपियन बनने पर 42 मिलियन डॉलर और फ्रांस को 2018 में विश्व कप जीतने पर 38 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी जिसमें इस बार बढ़ोतरी तो हुई है लेकिन यह राशि इस साल अपेक्षाकृत कम चर्चित क्लब विश्व कप जीतने के लिए चेल्सी को मिली पुरस्कार राशि से आधे से भी कम है। क्लब विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि एक अरब डॉलर थी। चेल्सी को चैंपियन बनने पर 125 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले विश्व कप के लिए कुल पुरस्कार राशि कतर में 2022 में आयोजित किए गए टूर्नामेंट के लिए निर्धारित 440 मिलियन डॉलर की तुलना में 48.9 प्रतिशत अधिक है। विश्व कप 2026 की कुल पुरस्कार राशि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2023 में खेले गए महिला विश्व कप की 110 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि से लगभग छह गुना अधिक होगी। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने अगले विश्व कप में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए समान पुरस्कार राशि का लक्ष्य निर्धारित किया है। अगला महिला विश्व कप 2027 में ब्राजील में होगा। विश्व कप 2026 में कुल 48 टीम भाग लेंगी। ग्रुप चरण में बाहर होने वाली टीमों को नौ मिलियन डॉलर, अगले दौर में पहुंचने वाली टीमों को 11 मिलियन डॉलर और राउंड ऑफ़ 16 में पहुंचने वाली टीमों को 15 मिलियन डॉलर मिलेंगे। क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को 19 मिलियन डॉलर, चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 27 मिलियन डॉलर, तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर और फाइनल में हारने वाली टीम को 33 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

लियोन ने मैकग्रा को पीछे छोड़ा, इंग्लैंड का संघर्ष जारी

एडिलेड। नाथन लियोन के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन और इस मैच में वापसी करने वाले कप्तान पैट कमिंस की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां अपना पलड़ा भारी रखा। इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 213 रन बनाए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 371 रन बनाए थे। इंग्लैंड का दारोमदार कप्तान बेन स्टोक्स पर टिका है जो 151 गेंद पर 45 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े जोफ्रा आर्चर ने 30 रन बनाए हैं। इंग्लैंड का स्कोर एक समय आठ विकेट पर 168 रन था और लग रहा था कि उसकी पहली पारी दूसरे दिन ही समाप्त हो जाएगी लेकिन स्टोक्स और आर्चर दिन के अंतिम 14 ओवर में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। इन दोनों ने अभी तक नौवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 326 रन से आगे बढ़ाई। आर्चर (53 रन देकर पांच विकेट) ने मिचेल स्टार्क (54 रन) को बोल्ड और लियोन (09) को पगबाधा आउट करके पारी में पांच विकेट पूरे किए। स्कॉट बोलैंड 21 गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे। लियोन ने अपने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी सूची में मैकग्रा को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। उन्होंने अब तक 51 रन देकर दो विकेट लिए हैं। कमिंस ने 54 रन देकर तीन जबकि बोलैंड ने 31 रन देकर दो विकेट लिए हैं। इस श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने वाले स्टार्क को 12 ओवर में अभी तक कोई विकेट नहीं मिला है। इंग्लैंड ने सहज शुरुआत की और एक समय उसका स्कोर बिना किसी नुकसान के 37 रन था। कमिंस ने जैक क्रॉली (09) को आउट करके श्रृंखला का अपना पहला विकेट लिया। इससे इंग्लैंड की पारी लड़खड़ा गई और उसने 15 गेंद और पांच रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। ऑफ स्पिनर लियोन को 10वें ओवर में गेंद सौंपी गई। उन्होंने चार गेंदों के अंदर ओली पोप (03) और बेन डकेट (29) को आउट कर दिया, जिससे इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 42 रन हो गया। उन्होंने पोप को एक घूमती हुई गेंद पर आगे बढ़कर खेलने के लिए मजबूर किया और उनके शॉट को जोश इंग्लिस ने मिडविकेट पर डाइव लगाते हुए कैच कर दिया। इससे उन्होंने तेज गेंदबाज मैकग्रा के 563 टेस्ट विकेटों की बराबरी कर ली। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर लियोन ने डकेट को बोल्ड किया और इस तरह से वह मैकग्रा से आगे निकल गए। टीवी कवरेज में स्टेडियम के कमेंट्री बूथ में बैठे मैकग्रा को नकली नाराजगी जताते हुए कुर्सी फेंकने का नाटक करते हुए दिखाया गया।

बुमराह के एक्शन और तेज गति के कारण उनके लिए कार्यभार प्रबंधन जरूरी: उथप्पा

लखनऊ। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का एक्शन और तेज गति उनके शरीर पर अत्यधिक दबाव डालती है और उन्हें पूरी तरह से फिट रखने के लिए उनका कार्यभार का प्रबंधन करना बेहद जरूरी हो जाता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में बुमराह को आराम दिया गया था और उन्होंने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में वापसी की। उथप्पा ने जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' पर कहा, ''वह बेमिसाल मैच विजेता हैं और उनके कार्यभार का प्रबंध करना बेहद जरूरी है। तेज गेंदबाजी शायद इस खेल का सबसे मुश्किल कौशल है और बुमराह इसे बेहद तेज गति से और चुनौतीपूर्ण एक्शन के साथ करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आप उनको पूरी तरह से फिट बनाए रखना चाहते हैं लेकिन साथ ही आप यह भी चाहते हैं कि वह पर्याप्त क्रिकेट खेलें। हम

सभी उनकी प्रतिभा से वाकिफ है और उम्मीद है कि वह विश्व कप से पहले होने वाले मैचों में निरंतरता बनाए रखने में सफल रहेंगे।'' दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है लेकिन इसके पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि उनकी टीम ने भारत दौरे पर उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है।

पीएसजी ने फ्लेमेंगो को हराकर इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता

दोहा। मात्वेई सफोनोव ने पेनल्टी शूटआउट में लगातार चार पेनल्टी बचाईं जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में फ्लेमेंगो को हराकर वर्ष 2025 में अपनी छठी ट्रॉफी जीती। निर्धारित और अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था जिसके बाद पीएसजी ने पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की। मैच खत्म होते ही रूसी गोलकीपर सफोनोव को उनके साथियों ने हवा में उछाल दिया। पीएसजी ने इस तरह से वर्ष 2025 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उसने इससे पहले डेस चैंपियंस, फ्रेंच लीग, फ्रेंच कप, चैंपियंस लीग और यूईएफए सुपर कप जीता था। ख्विचा क्वारात्स्खेलिया ने 38वें मिनट में पीएसजी को बढ़त दिलाई, जिसके बाद 62वें मिनट में जोर्जिन्हो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर ब्राजील के क्लब फ्लेमेंगो को बराबरी दिलाई।

कॉनवे और लैथम की ऐतिहासिक शतकीय साझेदारी, पहले दिन वेस्टइंडीज बैकफुट पर

माउंट माउंगानुई (न्यूजीलैंड)। कप्तान टॉम लैथम और डेवोन कॉनवे के बीच पहले विकेट के लिए रिकार्ड साझेदारी की मदद से न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन गुरुवार को एक विकेट पर 334 रन बनाए। पहले दिन का खेल समाप्त होने से तीन ओवर पहले लैथम 137 रन बनाकर आउट हो गए। स्टंप उखड़ने के समय कॉनवे 178 रन पर खेल रहे थे जबकि नाइटवॉचमैन जैकब डफी ने नौ रन बनाए थे। लैथम और कॉनवे ने पहले विकेट के लिए 323 रन जोड़े जो न्यूजीलैंड की तरफ से पहले विकेट के लिए दूसरी सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। यह 2025 में किसी भी टीम की तरफ से किसी भी विकेट के लिए

सबसे बड़ी साझेदारी है। लैथम ने दूसरी नई गेंद आने के तुरंत बाद स्लिप में कैच देने से पहले 245 गेंदों का सामना किया तथा 15 चौके और एक छक्का लगाया। कॉनवे ने अब तक 279 गेंदों का सामना किया है और उन्होंने 25 चौके लगाए हैं। उन्होंने दिन भर बल्लेबाजी की जिससे वह अपने सर्वोच्च टेस्ट स्कोर (2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में बनाए गए 200 रन) के करीब पहुंच गए हैं। लैथम का टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला साहसिक था क्योंकि बे ओवल की पिच हरी थी। वेस्टइंडीज के गेंदबाज हालांकि इसका फायदा नहीं उठा पाए तथा लैथम और कॉनवे ने शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश करके फैसले को सही साबित करके कैरेबियाई टीम को बैकफुट पर भेज दिया। न्यूजीलैंड के लिए आखिरी बार दोनों सलामी बल्लेबाजों ने 2019 में टेस्ट मैच में शतक बनाए थे, जब हैमिल्टन में बांग्लादेश के खिलाफ लैथम ने 161 और जीत रावल ने 132 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की तरफ से छठी बार पहले विकेट के लिए 200 या इससे अधिक रन की साझेदारी निभाई गई।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

अरुणाचल प्रदेश के उप सीएम ने पारेषण लाइन के बिछाने को प्राथमिकता देने का किया आग्रह

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री चौना मीन ने पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से निर्धारित समय-सीमा के भीतर विद्युत पारेषण लाइन बिछाने को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। चौना मीन ने ईटानगर में पारेषण एवं वितरण प्रणाली को मजबूत करने की व्यापक योजना पर एक समीक्षा बैठक की बुधवार को अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि लोअर सुबनसिरी परियोजना और प्रक्रियाधीन कई अन्य ऐसी परियोजनाओं के चालू होने से पहले पारेषण लाइन बिछाना आवश्यक है, ताकि उत्पादित बिजली को तुरंत मुहैया कराया जाए। बैठक में योजना के तहत हासिल किए गए प्रमुख पड़ावों की समीक्षा की गई, जिनमें कई पारेषण एवं वितरण परिसंपत्तियों का संचालन शुरू होना, प्राथमिकता वाली पारेषण लाइन का पूरा होना तथा लंबे समय से लंबित अवसंरचनात्मक चुनौतियों का समाधान शामिल है। विधानसभा अध्यक्ष तेसाम पोंगते और उपाध्यक्ष कार्डो न्यिग्योर, अन्य मंत्री एवं वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर जनवरी से वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कच्चे माल की लागत के असर की भरपाई के लिए जनवरी से अपने वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की बृहस्पतिवार को जानकारी दी। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि कीमतों में यह बढ़ोतरी एक जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। मॉडलों व संस्करण के अनुसार बढ़ोतरी अलग-अलग होगी। इसमें कहा गया कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि और अन्य व्यापक आर्थिक कारकों के कारण यह वृद्धि की जा रही है। लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू ने भी अगले महीने से वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट, सेंसेक्स 78 अंक टूटा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार चौथे दिन गिरावट आई। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और वैश्विक बाजारों में नरम रुख से बीएसई सेंसेक्स 78 अंक के मामूली नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी स्थिर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 77.84 अंक यानी 0.09 प्रतिशत टूटकर 84,481.81 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 84,780.19 अंक के ऊपरी और 84,238.43 अंक के निचले स्तर तक भी गया।

इंडिगो ने रोजाना शुरू कीं 2,200 फ्लाइट्स, खुद को मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित किया

पीटर एल्बर्स ने कहा-एयरलाइन का ध्यान अब मूल कारण का विश्लेषण करने व फिर से वापसी करने पर

नई दिल्ली। विमानन कंपनी इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने गुरुवार को कहा कि एयरलाइन अपने फ्लाइट नेटवर्क को फिर से शुरू कर दिया है, अब रोजाना लगभग 2,200 उड़ानों का परिचालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि विमानन कंपनी का ध्यान अब खुद को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण और फिर से वापसी करने पर है। इंडिगो सीईओ का यह बयान एक संसदीय समिति द्वारा एयरलाइन की कड़ी आलोचना के कुछ घंटे बाद आया है, जिसने दिसंबर की शुरुआत में ऑपरेशनल दिक्कतों के कारण भारतीय एविएशन को लगभग ठप कर दिया था।

पीटर एल्बर्स ने इंडिगो कर्मचारियों को एक वीडियो मैसेज में कहा कि एयरलाइन की टीमों ने मुश्किल समय में कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और एक-दूसरे का साथ देते हुए बड़े नेटवर्क को धीरे-धीरे वापस पटरी पर लाया। उन्होंने बताया

कि विमानन कंपनी के निदेशक मंडल ने मूल-कारण का विश्लेषण करने के लिए एक बाहरी विमानन विशेषज्ञ को भी नियुक्त किया है। उन्होंने कहा, ''9 दिसंबर को मैंने इंडिगो के परिचालन में स्थिरता आने की जानकारी साझा की थी। उसके बाद, आज 18 दिसंबर को हमने अपने नेटवर्क को 2,200 उड़ानों के साथ बहाल किया है। अब हम तीन चीजों, विमानन कंपनी को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण करने और फिर से वापसी करने ध्यान दे रहे हैं।'' पीटर एल्बर्स ने कहा कि हाल की दिक्कतों का सबसे बुरा दौर अब पूरी तरह से पीछे छूट गया है। एल्बर्स ने कहा कि वह नेतृत्व दल के साथ कई स्थानों की यात्रा करेंगे, ताकि कर्मचारियों से मिल सकें और व्यवधानों के दौरान उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन्हें समझ सकें। ये वे कर्मचारी हैं जिन्होंने व्यापक व्यवधान के दौरान जमीनी स्तर पर काम किया था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलट के 'ड्यूटी' के समय एवं आराम संबंधी नए नियमों को लागू करने में विफलता और कर्मचारियों की कमी के कारण इंडिगो ने एक से नौ दिसंबर के बीच हजारों उड़ानें रद्द कर थी। ये नियम एक नवंबर से लागू किए गए थे। डीजीसीए की एक समिति भी इंडिगो में परिचालन संबंधी व्यवधानों की जांच कर रही है। इसके अलावा, इस महीने की शुरुआत में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने के बाद सरकार ने इंडिगो के मौजूदा शीतकालीन कार्यक्रम (शेड्यूल) में 10 फीसदी की कटौती कर दी है। उल्लेखनीय है कि घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो में परिचालन संबंधी व्यवधान के कारण इस महीने की शुरुआत में उसकी हजारों उड़ानें रद्द हुईं, जिससे देशभर में हवाई अड्डे पर लाखों यात्रियों को असुविधा और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

श्रम संहिताएं रोजगार को संगठित रूप देंगी, निरीक्षकों की भूमिका सुविधा प्रदान करने वाली: मांडविया

नई दिल्ली। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में लागू किए गए श्रम कानून के 'मनमाने तरीके से नौकरी पर रखने व निकालने' और 'इंस्पेक्टर राज' को बढ़ावा देने की चिंताओं को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया और कहा कि नए कानून रोजगार को संगठित रूप देंगे जबकि निरीक्षक चीजों को सुगम बनाने की भूमिका निभाएंगे।

नए नियमों के तहत, 300 कर्मचारियों वाली इकाइयों में छंटनी, कर्मचारियों की कटौती एवं इकाइयों को बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। पहले 100 कर्मचारियों वाली इकाइयों को ऐसी अनुमति की आवश्यकता नहीं थी। 'टाइम्स नेटवर्क इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा, '' हमने देश में रोजगार को संगठित रूप दिया है और प्रति इकाई श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर 300 कर दी है, जो पहले 100 थी।'' उन्होंने कहा कि पहले नियोक्ता कानूनी झंझटों से बचने के लिए 100 श्रमिकों को औपचारिक रोजगार देते थे और बाकी को असंगठित रूप से नियोजित करते थे। मांडविया ने कहा कि नए नियमों ने इन बचे हुए श्रमिकों के रोजगार को संगठित रूप दे दिया है और उन्हें वे सभी लाभ मिलेंगे जो एक पंजीकृत कर्मचारी को मिलते हैं। अनुपालन का बोझ बढ़ाकर 'इंस्पेक्टर राज' को बढ़ावा देने की चिंताओं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि निरीक्षक किसी उद्योग के काम में बाधा डालने वाला नहीं बल्कि सुविधादाता होगा। मंत्री ने कहा कि वे (निरीक्षक) अग्नि सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा जैसे सभी सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करेंगे जो विशेष रूप से खनन क्षेत्र में महिलाओं को रात्रिकालीन पाली में काम करने की अनुमति देने के लिए आवश्यक शर्तें हैं।

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नवाचार केंद्र के रूप में खुद को स्थापित कर रहा : एसएमएफ अध्यक्ष

सिंगापुर। भारत ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में अपनी छवि न केवल 'बैकएंड असेंबलर' के रूप में बनाई है बल्कि यह भविष्य में 'डिजाइन' एवं नवाचार केंद्र के रूप में भी खुद को स्थापित कर रहा है। सिंगापुर मैन्युफैक्चरिंग फेडरेशन (एसएमएफ) के अध्यक्ष लेनन टैन ने एक किताब में एक लेख में लिखा कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत घोषित रणनीतिक परियोजनाएं 'डिजाइन' से लेकर निर्माण तक पूर्ण क्षमता स्थापित करने का स्पष्ट इरादा जाहिर करती हैं। टैन की ये टिप्पणियां 'भारत-सिंगापुर साझेदारी के 60 वर्ष पूरे होने का जश्न' नामक 112 पृष्ठ की 'कॉफी टेबल बुक' में प्रकाशित हुईं। उन्होंने कहा, '' स्वीकृत निवेश और पहले से ही उत्पादन में लगे शुरुआती स्तर के संयंत्र मजबूत गति को दर्शाते हैं। यह देखकर खुशी होती है कि भारत खुद को न केवल एक 'बैकएंड असेंबलर' के रूप में, बल्कि भविष्य में 'डिजाइन' एवं नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है।'' टैन ने सिंगापुर में सेमीकंडक्टर उद्योग के मजबूत

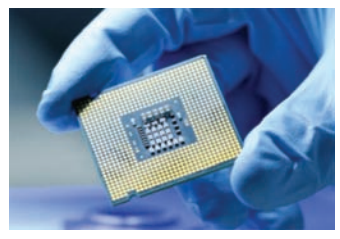

आधार एवं संयुक्त कौशल विकास, उपकरणों की सुव्यवस्थित आवाजाही तथा चिप डिजाइन में अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि '' यह एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण की दिशा में व्यावहारिक कदम है।'' एसएमएफ में 5000 से अधिक कंपनी सदस्यों के प्रमुख टैन ने कहा कि सिंगापुर और भारत दोनों ही सेमीकंडक्टर क्षेत्र के महत्व को समझते हैं और इसके अनुरूप ही दोनों देशों के बीच सहयोग विकसित हो रहा है। एसएमएफ एक संयोजक के रूप में कार्य करता है, जो तमिलनाडु, गुजरात और कर्नाटक जैसे भारतीय राज्यों के साथ व्यापारिक मिशन एवं संयुक्त उद्यमों को सुविधाजनक बनाता है। सिंगापुर और भारत ने सेमीकंडक्टर उद्योग एवं डिजिटल प्रौद्योगिकियों में सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, भारत के बढ़ते सेमीकंडक्टर उद्योग को समर्थन देने के साथ-साथ सिंगापुर के सेमीकंडक्टर कंपनियों के परिवेश और संबंधित आपूर्ति श्रृंखलाओं को तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार में भाग लेने में सुविधा प्रदान करने के लिए सितंबर 2024 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। डीबीएस ग्रुप के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीयूष गुप्ता ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि सिंगापुर दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र से भारत का सबसे बड़ा निवेशक बना हुआ है, जिसने पिछले 25 वर्ष में संचयी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रूप में लगभग 174.88 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है जो देश में कुल प्रवाह का लगभग 24 प्रतिशत है।

एल कैटरटन ने हल्दीराम के साथ साझेदारी की, कंपनी में हासिल की हिस्सेदारी

नई दिल्ली। प्रमुख वैश्विक उपभोक्ता-केंद्रित निवेश कंपनी एल कैटरटन ने हल्दीराम के साथ रणनीतिक साझेदारी की है और देश के प्रमुख 'स्नैक्स' एवं खाद्य ब्रांड में हिस्सेदारी हासिल की है। एल कैटरटन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि निवेश या मूल्यांकन का कोई विवरण साझा नहीं किया। कंपनी ने कहा, '' उसने हल्दीराम के साथ रणनीतिक साझेदारी की है और इसमें निवेश किया है। इस सहयोग का उद्देश्य हल्दीराम की देश के भीतर बाजार में अग्रणी स्थिति को मजबूत करना और मजबूत आधारभूत संरचना, ब्रांड प्रतिष्ठा एवं वृद्धि क्षमता के आधार पर इसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार को तेज करना है।'' इस साल की शुरुआत में, भारत की सबसे बड़ी 'पैकेज्ड' नाश्ते एवं मिठाई बनाने वाली कंपनी ने तीन रणनीतिक निवेशकों सिंगापुर स्थित वैश्विक निवेश कंपनी टेमासेक, अल्फा वेव ग्लोबल और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) को हिस्सेदारी बेची थी। उस समय भी सौदे का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया था, लेकिन उद्योग जगत के सूत्रों का कहना था कि यह 10 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 85,000 करोड़ रुपये) के मूल्यांकन पर किया गया। एल कैटरटन के पास विश्वभर में 'पैकेज्ड' खाद्य क्षेत्र में ब्रांड खड़ा करने का व्यापक अनुभव है। इस क्षेत्र में इसके वर्तमान और पूर्व

निवेशों में चोलुला हॉट सॉस, फार्मले, फेरारा कैंडी कंपनी, गुडलेस, केटल फूड्स, कोडियाक, लिटिल मूनस, नॉटको, प्लांटेड और प्लम ऑर्गेनिक्स शामिल हैं। भारत में एल कैटरटन का नेतृत्व संजीव मेहता कर रहे हैं, जो वर्तमान में इसके कार्यकारी चेयरमैन हैं। मेहता ने कहा, 'हमें हल्दीराम का समर्थन करने और भारत के विकसित एवं फलते-फूलते उपभोक्ता बाजार में और वृद्धि करने के साथ-साथ इसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार को प्रोत्साहित करने का मौका पाकर खुशी है।'' राजस्थान के बीकानेर में गंगा भिषेन अग्रवाल द्वारा 1937 में एक खुदरा मिठाई एवं नमकीन की दुकान के रूप में स्थापित 'हल्दीराम' के उत्पाद आज 80 से अधिक देशों में बेचे जाते हैं।

सोनू निगम की सुरीली आवाज में रिलीज हुआ 'हर सफर में हमसफर'

फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का सबसे रोमांटिक गीत 'हर सफ़र में हमसफ़र' हर सफ़र को प्यार की मौजूदगी से और भी खूबसूरत बना देता है। यह दिल को छू लेने वाला गाना साथ होने की अहमियत, अनकही भावनाओं और रिश्तों की उस खामोश ताक़त को बयां करता है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। गायक सोनू निगम की आवाज़ में सजा यह गीत वही जादू रचता है, जिसके लिए वे दशकों से हिंदी सिनेमा में प्रेम गीतों की पहचान रहे हैं। मोहब्बत, इंतज़ार और अपनापन जैसे एहसासों को उनकी गायकी जिस सहजता और गहराई से उकेरती है, वही इस गाने को खास बनाती है। 'हर सफ़र में हमसफ़र' खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक ज़हन में गूंजता रहता है। गीतकार विमल कश्यप के लिखे बोल इस विचार को खूबसूरती से सामने रखते हैं कि प्यार ज़िंदगी के हर मोड़ पर साथ चलता है। वहीं संगीतकार परिक्षित और निशाध का संगीत इन भावनाओं को और गहराई देता है, जहां सुर और एहसास मिलकर ऐसा गीत रचते हैं जो क्लासिक भी लगता है और आज के दौर से भी जुड़ा हुआ।

पति पुलकित सम्राट को घर पर प्यार से 'अन्नपूर्णा' बुलाती है कृति खरबंदा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा अपने पति और अभिनेता पुलकित सम्राट को घर पर प्यार से 'अन्नपूर्णा' बुलाती है। बॉलीवुड की प्रेम कहानियाँ अक्सर ग्लैमर और चकाचौंध में लिपटी होती हैं, लेकिन कुछ सबसे खूबसूरत रिश्ते बेहद सादे और सच्चे पलों में जन्म लेती हैं और कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट की कहानी उन्हीं में से एक है। कृति खरबंदा ने हाल ही में करण जौहर के साथ एक बातचीत के दौरान अपनी ज़िंदगी के उस निजी पल को साझा किया, जिसने उन्हें यह यकीन दिला दिया कि पुलकित ही वह इंसान हैं, जिनके साथ वह अपनी पूरी ज़िंदगी बिताना चाहती हैं। यह पल न तो शोहरत से जुड़ा था, न सफलता से और न ही किसी लग्ज़री से। कृति ने बताया कि यह एक देर रात की ड्राइव थी, जब दोनों बांद्रा की सड़कों से गुज़र रहे थे। उस समय तक उन्होंने अपने रिश्ते को निजी ही रखा हुआ था। शहर की शांत सड़कों पर गाड़ी चलाते हुए एक लेम्बॉर्गिनी उनके पास से गुज़री। सहज-सी जिज्ञासा में कृति ने पुलकित से पूछ लिया कि यदि कभी उनके पास बहुत सारा पैसा हुआ तो वह क्या करेंगे? पुलकित ने बिना एक पल सोचे, सड़क पर ध्यान रखते हुए जो जवाब दिया, उसने एक ही पल में सब कुछ बदल दिया। कृति ने मुस्कुराते हुए बताया, "पुलकित ने कहा कि वह एक गुरुद्वारा बनवाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि वहाँ 24×7 लंगर चलता रहे।" यही वह क्षण था जब कृति को बिना किसी संदेह के यह एहसास हो गया कि यही वह शख़्स हैं, जिनसे वह शादी करना चाहती हैं।"उस पल, प्यार एक बार फिर से हो गया।" पुलकित की दरियादिली और खाने को लेकर पुलकित के पैशन पर कृति ने यह भी बताया कि वे घर पर पुलकित को प्यार से "अन्नपूर्णा" कहकर बुलाती हैं। कृति ने बताया कि पुलकित की असली पहचान उनकी सहज दरियादिली और समाज को लौटाने की भावना है। न महत्वाकांक्षा, न लाइफ़स्टाइल और न ही सफलता, बल्कि उनके शब्दों के पीछे छुपा दिल ही उन्हें खास बनाता है।

फिल्म 'इक्कीस' की रिलीज डेट बदली

01 जनवरी को होगी रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की अंतिम फिल्म 'इक्कीस' 01 जनवरी 2026 रिलीज होगी। फिल्म 'इक्कीस' दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है। धर्मेंद्र के निधन (24 नवंबर 2025) के बाद से ही उनके फैंस इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इस फिल्म की रिलीज डेट बदल गयी है। मैडॉक फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आज भी जी करता है, पिंड अपने नू जानवा।" धरम जी मिट्टी के सच्चे बेटे थे और उनके शब्दों में उस मिट्टी का सार है। उनकी यह कविता एक तड़प है; एक लेजेंड से दूसरे लेजेंड को एक ट्रिब्यूट। हमें यह टाइमलेस वर्स गिफ्ट करने के लिए धन्यवाद। सिनेमाघरों में ये फिल्म देखें। इक्कीस 01 जनवरी 2026 को रिलीज हो रही है।' श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी फिल्म इक्कीस वर्ष 1971 के युद्ध पर आधारित है जिसमें एक 21 साल के लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की कहानी दिखाई जाएगी। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को दिनेश विजान और बिन्नी पड्डा ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, अरुण खेत्रपाल की भूमिका में हैं, जबकि धर्मेंद्र, अरुण के पिता एमएल. खेत्रपाल की अहम भूमिका में नजर आयेंगे।

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' का तूफान

कपिल शर्मा की फिल्म पड़ी फीकी

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार धमाकेदार प्रदर्शन कर रही है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई यह फिल्म 13 दिन पूरे करने के बावजूद दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल रही है। अब फिल्म की नजरें 450 करोड़ क्लब में एंट्री करने पर टिकी हुई हैं। वहीं दूसरी ओर कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती नजर आ रही है। दूसरे हफ्ते के कारोबारी दिनों में भी 'धुरंधर' ने मजबूत पकड़ बनाए रखी है, हालांकि 13वें दिन कमाई में हल्की गिरावट देखने को मिली। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने दूसरे बुधवार को 25.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इससे पहले फिल्म ने 12वें दिन 30.5 करोड़ और 11वें दिन भी 30.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी। अब तक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 437.25 करोड़ रुपये कमा चुकी है, जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन करीब 639 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में बनी 'किस किसको प्यार करूं 2' की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने छठे दिन महज 75 लाख रुपये का कारोबार किया। पांचवें दिन जहां फिल्म ने 1.1 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं अगले ही दिन इसकी कमाई में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अब तक फिल्म 6 दिनों में सिर्फ 10 करोड़ रुपये ही जुटा पाई है और बॉक्स ऑफिस पर इसके फ्लॉप होने के आसार नजर आने लगे हैं। कुल मिलाकर, बॉक्स ऑफिस पर इस वक्त 'धुरंधर' का जलवा बरकरार है, जबकि बाकी रिलीज फिल्मों के लिए रणवीर सिंह की यह फिल्म बड़ी चुनौती साबित हो रही है।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

एफबीआई के उप निदेशक बोंगिनो अगले महीने दे सकते हैं इस्तीफा

वाशिंगटन। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के उप निदेशक डैन बोंगिनो ने बुधवार को कहा कि वह अगले महीने इस्तीफा दे देंगे, जिससे उनका छोटा लेकिन उथल-पुथल भरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिकी निवेशक एंव यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की फाइलों को लेकर न्याय विभाग के साथ उनका टकराव हुआ। बोंगिनो के इस्तीफे की पहले से ही उम्मीद थी और उनका इस्तीफा ट्रंप प्रशासन के सबसे चर्चित इस्तीफों में से एक होगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब एफबीआई नेतृत्व को निदेशक काश पटेल द्वारा सरकारी विमान का निजी इस्तेमाल करने और सक्रिय जांच के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। एफबीआई में दूसरे महत्वपूर्ण पद के लिए बोंगिनो का चयन हमेशा से ही अपरंपरागत रहा है। यह पद ऐतिहासिक रूप से ब्यूरो के दैनिक कार्यों की देखरेख से जुड़ा होता है और आमतौर पर एक अनुभवी एजेंट ही इस पद को संभालता रहा है। बोंगिनो पहले न्यूयॉर्क शहर के पुलिस अधिकारी और सीक्रेट सर्विस एजेंट के रूप में काम कर चुके हैं, हालांकि न तो उन्हें और न ही पटेल को अपने-अपने पदों के लिए चुने जाने से पहले एफबीआई में कोई अनुभव था।

नेपाल में भारतीय इंजीनियर की हत्या का डेढ़ महीने बाद खुलासा

काठमांडू। नेपाल में राजधानी काठमांडू के ललितपुर स्थित धापाखेल में एक भारतीय इंजीनियर की हत्या होने का खुलासा हुआ है। यह सामने आया है कि करीब डेढ़ महीने पहले 46 वर्षीय भारतीय इंजीनियर देव कुमार की हत्या कर दी गई थी। हालांकि, हत्या के डेढ़ महीने बीत जाने के बाद भी यह मामला अब तक रहस्य बना हुआ है। घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है और न ही हत्या के कारणों का खुलासा हो सका है। पुलिस अधिकारी मामले की जांच जारी रहने की बात कह रहे हैं, लेकिन आधिकारिक रूप से कुछ भी बताने से बच रहे हैं। यह हत्या धापाखेल में निर्माणाधीन एक कॉलोनी में हुई थी। बताया गया है कि देव कुमार, चौधरी ग्रुप द्वारा बनाई जा रही उक्त कॉलोनी के डिजाइन कार्य के लिए नेपाल आए थे। जांच अधिकारियों के अनुसार, उनकी हत्या निर्माणाधीन कॉलोनी के बाथरूम में बेहद दर्दनाक तरीके से उनकी हत्या की गई थी। उनका शव हाथ-पैर और मुंह कपड़े से बंधी हुई अवस्था में बरामद हुआ था। पुलिस के अनुसार, हाथ-पैर और मुंह बांधकर धारदार हथियार से सिर पर वार कर उनकी हत्या की गई थी। मामले की जांच जिला पुलिस परिसर ललितपुर के साथ-साथ काठमांडू घाटी अपराध अनुसंधान कार्यालय की टीम भी कर रही है।

अमेरिका ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियार बेचने की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियारों की बिक्री के एक विशाल पैकेज की घोषणा की है, जिसमें मध्यम दूरी की मिसाइलें, होवित्जर तोपें और ड्रोन शामिल हैं। अमेरिका के इस कदम पर चीन ने आक्रोश जताया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अपने भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति के मुद्दों का बहुत कम उल्लेख किया और चीन या ताइवान के बारे में कोई बात नहीं की। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान अमेरिका-चीन तनाव कम हुआ है, न केवल मुख्य रूप से व्यापार और शुल्क (टैरिफ) को लेकर बल्कि ताइवान के प्रति चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर भी। चीन, ताइवान पर अपना हक जताता है। इन आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं। एक अलग बयान में अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये हथियार बिक्री "प्राप्तकर्ता देश के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के निरंतर प्रयासों का समर्थन करने और एक विश्वसनीय रक्षा क्षमता बनाए रखने में मदद करके अमेरिका के राष्ट्रीय, आर्थिक और सुरक्षा हितों की पूर्ति करते हैं।" चीन के विदेश मंत्रालय ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इससे चीन और अमेरिका के बीच हुए कूटनीतिक समझौतों का उल्लंघन होगा, चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर नुकसान पहुंचेगा तथा क्षेत्रीय स्थिरता कमजोर होगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, "इस द्वीप पर मौजूद 'ताइवान स्वतंत्रता' की ताकतें बल के जरिए स्वतंत्रता हासिल करना और बल के जरिए ही पुनःएकीकरण का विरोध करना चाहती हैं। वे ताइवान को बारूद के ढेर में बदलने की कीमत पर जनता की मेहनत की कमायी को हथियार खरीदने में बर्बाद कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "हथियारों के जरिए ताइवान स्वतंत्रता का समर्थन करना अंततः अमेरिका के लिए ही उल्टा साबित होगा। ताइवान का इस्तेमाल कर चीन को रोकने की कोशिश सफल नहीं होगी।" ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में हथियारों की बिक्री को लेकर अमेरिका के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्रालय ने कहा कि इससे ताइवान को "पर्याप्त आत्मरक्षा क्षमताएं" बनाए रखने में मदद मिलेगी और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता हासिल होगी। बयान में कहा गया कि ताइवान द्वारा अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना "क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने की बुनियाद" है।

चीन की राजधानी में छाई धुंध, 215 पर पहुंचा वायु गुणवत्ता सूचकांक

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में बृहस्पतिवार को धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बढ़कर 215 पर पहुंच गया, जो "बेहद अस्वास्थ्यकारी" स्तर माना जाता है। बीजिंग में वर्षों तक हवा साफ करने के लिए अभियान चलाया गया, जिसके बाद प्रदूषण इतनी तेजी से बढ़ना दुर्लभ माना जा रहा है। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को 'येलो अलर्ट' जारी करते हुए देश के कुछ हिस्सों में भारी धुंध फैलने का पूर्वानुमान जताया है।

वेधशाला ने कहा कि हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगचिंग में बृहस्पतिवार को भारी धुंध छाई रहने का पूर्वानुमान है। बीजिंग में प्रदूषित वायु गुणवत्ता के साथ धुंध इन दिनों कम ही देखने को मिलती है, जबकि पहले यहां भारी प्रदूषण देखा जाता था। सरकार ने 2016 में कई कदम उठाए थे, जिनमें भारी प्रदूषण का कारण बनने वाले उद्योगों को बंद करना और उन्हें स्थानांतरित करना शामिल था। इसके लिए अरबों डॉलर खर्च किए गए।

अधिकारियों का कहना है कि सर्दी के दौरान शहर में कोयले से चलने वाली सार्वजनिक हीटिंग व्यवस्था की जगह प्राकृतिक गैस या बिजली से चलने वाली हीटिंग व्यवस्था अपनाई गई, जिसके लिए एक अरब डॉलर से अधिक धनराशि खर्च की गई और इस प्रकार प्रदूषण स्तरों को कम करने में मदद मिली।

भारत आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में 'अत्यंत रणनीतिक संभावित साझेदार': अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका, भारत को आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में एक "अत्यंत रणनीतिक संभावित साझेदार" के रूप में देखता है और उसके साथ आर्थिक सुरक्षा सहयोग को और गहरा करने के तरीको पर "लगातार बातचीत" कर रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि उनका देश हाल में वाशिंगटन के नेतृत्व में शुरू की गई सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला पहल से भारत के बाहर रहने के बावजूद नयी दिल्ली के साथ इस विषय पर संवाद के अवसर का स्वागत करता है। आर्थिक मामलों के लिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि अमेरिका, भारत के साथ "आर्थिक सुरक्षा सहयोग को और गहरा करने" के तरीकों पर "लगातार बातचीत" कर रहा है। पिछले सप्ताह अमेरिका ने 'पैक्स सिलिका' नामक एक रणनीतिक पहल शुरू की, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा इनपुट से लेकर उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अवसंरचना और साजोसामान तक एक सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार-आधारित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। इस पहल में जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड, ब्रिटेन, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं, लेकिन भारत इसमें शामिल नहीं है। भारत को छोड़कर 'चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद' (क्वाड) के अन्य सभी देश जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका इस नयी पहल का हिस्सा हैं। हेलबर्ग ने स्वीकार किया कि भारत को पैक्स सिलिका में शामिल न किए जाने को लेकर "काफी अटकलें" लगाई जा रही हैं, लेकिन उन्होंने इसे वाशिंगटन और नयी दिल्ली के बीच मौजूदा तनाव से जोड़ने से इनकार किया। उन्होंने कहा, "भारत और अमेरिका के बीच व्यापार व्यवस्थाओं से जुड़ी बातचीत और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा पर चर्चा, ये दोनों ही अलग और समानांतर प्रक्रियाएं हैं। हम इन्हें आपस में नहीं मिला रहे हैं। हम भारत को आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा के लिए एक अत्यंत रणनीतिक संभावित साझेदार मानते हैं और उसके साथ जुड़ने का स्वागत करते हैं।" हेलबर्ग ने कहा कि वह दिल्ली में अपने समकक्षों के साथ "लगभग रोजाना संपर्क" में हैं तथा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर सक्रिय रूप से काम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वह फरवरी में होने वाले 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में हिस्सा लेंगे, जिससे आमने-सामने मुलाकात कर ठोस लक्ष्यों को तय करने का अवसर मिलेगा।

ट्रंप ने वर्ष के अंत में अपने संबोधन में आप्रवासन को लेकर प्रशासन की उपलब्धियां गिनाई

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल के अंत में व्हाइट हाउस में दिए गए संबोधन में आप्रवासन और आठ युद्ध रुकवाने में अपने प्रशासन की सफलताएं गिनाईं। ट्रंप ने राष्ट्र के नाम 19 मिनट के संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा, "11 महीने पहले, मैंने एक गड़बड़ी का पता लगाया, और मैं इसे ठीक कर रहा हूं।" ट्रंप ने इस वर्ष जनवरी में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से अपने प्रशासन की उपलब्धियां गिनाईं, जिसमें सीमा को सुरक्षित करना, "विपरीत प्रवासन", महंगाई कम करना, संघर्षों को समाप्त करना, शुल्क का उपयोग करके देश के लिए अरबों डॉलर अर्जित करना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और आप्रवासन पर कड़ी कार्रवाई करना शामिल है। उन्होंने कहा, "मैंने अमेरिकी ताकत को पुनर्स्थापित किया, 10 महीने में आठ युद्ध समाप्त किए, ईरान के परमाणु खतरे को नष्ट किया और गाजा में युद्ध पर विराम लगाया, जिसके चलते 3,000 साल में पहली बार पश्चिम एशिया में शांति आई। मैंने मृत या जीवित अवस्था में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की।" हालांकि, ट्रंप ने इन संघर्षों का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने पूरे वर्ष यह दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान, थाईलैंड- कंबोडिया, आर्मेनिया-अजरबैजान, कोसोवो-सर्बिया, इजराइल- ईरान, मिस्र-इथियोपिया, और रवांडा- कांगो के बीच युद्ध रुकवाए। उन्होंने यह भी बताया कि उनके प्रशासन ने दुनिया भर से अमेरिका में आने वाले प्रवासियों से निपटने में सफलता हासिल की है, जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन रहे हैं और आवास खर्च बढ़ा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि आवास खर्च बढ़ने का एक प्रमुख कारण ₹ सीमा पर भीषण आक्रमण₹ है। उन्होंने कहा, ₹हमने कभी भी आक्रमण नहीं झेले हैं। यह सबसे खराब चीज है, और ईमानदारी से कहूं तो, मेरी राय में, जो सबसे खराब चीज बाइडन प्रशासन ने हमारे देश को दी है, वह सीमा पर आक्रमण है।"